दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

कोंकणा सेन शर्मा की साइकोलोजिकल ...8

बलरामपुर
शुक्रवार, 13 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 132 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

जिलाधिकारी नें किया जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक, सीडीपीओ पर कड़ी नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में जिला स्तरीय पोषण समिति/जिला कन्वर्जेस समिति की बैठक सिद्धार्थ सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन द्वारा विगत माह के बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी। आंगनबाड़ी केन्द्रो के भवन निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने डीपीओ एवं डीसी एनआरएलएम को संयुक्त रूप से टीएचआर प्लान्ट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। टीएचआर प्लांट द्वारा जो पोषाहार का उत्पादन किया गया है उसको सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर समय से उपलब्ध करायें जिससे लाभार्थियों को समय से पोषाहार का वितरण हो सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि लाभार्थियों का फेस वेरीफिकेशन शतप्रतिशत पूर्ण करायें तथा सभी लाभार्थियों को पोषाहार का वितरण करायें। जिलाधिकारी ने टेक होम राशन वितरण में 50 प्रतिशत प्रगति वाले सीडीपीओ पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त सीडीपीओ को आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने के साथ जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों की प्रगति कम हैं उनकी मानीटरिंग करने तथा निरीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बच्चो का वजन कराने तथा पोषण ट्रैकर पर अपलोड कराने का निर्देश दिया। गर्भवती महिलाओ, धात्री महिलाओं एवं बच्चों में पुष्टाहार का वितरण कराने का निर्देश दिया। इस कार्य में लापरवाही पाये जाने पर सुपरवाइजर/आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं का डाटा स्वास्थ्य विभाग व कार्यक्रम विभाग का एक समान होना चाहिए। हॉटकुक्ड मील आंगनबाड़ी केन्द्रो के 0–3 वर्ष के बच्चो को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। अतिकुपोषित बच्चो को एनआरसी में भर्ती कराने का निर्देश दिया। सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रो पर आर0ओ0/पोषण वाटिका, विद्युत कनेक्शन, पेयजल, हैण्डवाश, बाला पेन्टिंग, रैम्प आदि कराने का निर्देश दिया। आंगनबाड़ी केन्द्रो पर बच्चो के खेलने की सामग्री उपलब्ध कराने निर्देश दिया। आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्रो को गोद लेकर कुपोषण मुक्त बनाने हेतु निर्देश दिया। पोषाहार वितरण का डाटा समय से पोर्टल पर फीड कराने का निर्देश दिया। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त डीसी मनरेगा संदीप सिंह, डीसी एनआरएलएम देवनन्दन दूबे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, समस्त सी0डी0पी0ओ0, सुपरवाइजर व अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी नें किया काशीराम कालोनी का निरीक्षण, जल निकासी की व्यवस्था करें जल्द

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा एन द्वारा अध्यक्ष नगर पालिका सिद्धार्थनगर गोविंद माधव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, अधिशासी अभियंता एन एच 730 आर के वर्मा के साथ नगर पालिका सिद्धार्थनगर के काशीराम कालोनी में जल निकासी व्यवस्था हेतु निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा काशीराम कालोनी का भ्रमण कर जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु अधिशासी अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता एन एच 730 से आवश्यक जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी द्वारा काशीराम कालोनी से उसका मार्ग, केन्द्रीय विद्यालय एवं जिला उद्यान कार्यालय के सामने एन एच द्वारा नाला निर्माण कार्य को देखा गया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता एन एच 730 एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सिद्धार्थनगर को समन्वय स्थापित करते हुए नाला निर्माण कराने का निर्देश दिया जिससे काशीराम कालोनी में जल जमाव न हो सुचारू रूप से पानी नाले में पहुंच जाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को मोहल्ले में नाली निर्माण कराकर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

प्राथमिक विद्यालय मंगराव में चोरी, चोरों ने ताला तोड़कर मिड–डे मील का सामान उड़ाए

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। विकास खंड भनवापुर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मंगराव में बीती रात अज्ञात चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। घटना की जानकारी सुबह विद्यालय खुलने पर प्रधानाध्यापक एवं स्टाफ को हुई, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 फरवरी की रात से 12 फरवरी की सुबह के बीच चोर विद्यालय परिसर में घुस आए। उन्होंने रसोई कक्ष का ताला तोड़कर अंदर रखा मिड–डे मील का खाद्यान्न एवं अन्य सामग्री बिखेर दी और पूड़ी दाल भी बनाई । इसके बाद चोरों ने मिड–डे–मील के लिए रखा चावल उठा ले गए। सुबह जब प्रधानाध्यापक विद्यालय पहुंचे तो कमरे का ताला टूटा देख घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, लेकिन चोरों ने आते समय कैमरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी। प्रधानाध्यापक ने थाना डुमरियागंज में लिखित तहरीर देकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है तथा पुलिस से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने एवं रात्रि गश्त बढ़ाने की भी अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से लोग भयभीत हैं। विद्यालय जैसे सार्वजनिक संस्थानों में चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। खंड शिक्षा अधिकारी भनवापुर महेंद्र कुमार ने कहा कि पुलिस को तहरीर दी गई है जल्द ही कार्रवाई की अपेक्षा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और चोरों की तलाश की जा रही।

ऐतिहासिक है केन्द्र और यूपी का बजट : संजय प्रताप जायसवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुरूवार को रूधौली विधानसभा क्षेत्र के अरदा मैरिज हाल के परिसर में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल के संयोजन में चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय बजट 2026 के प्रावधानों पर वक्ताओं ने जानकारी दी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कन्द्रीय और उत्तर प्रदेश के बजट को ऐतिहासिक बताते हुये कहा कि इस बजट से गरीबों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा। कहा कि विपक्ष के लोग बजट के बारे में जानबूझकर भ्रम पैदा कर रहे हैं जबकि बजट में कोई ऐसा प्रावधान नहीं किया गया है जिससे देश के नागरिकों को किसी भी स्तर पर कोई परेशानी या नुकसान हो। कहा कि विपक्षी दलों के लोगों की टिप्पणियों से गुमराह न हों। उन्होने कहा कि बजट से लोगों के जीवन में बदलाव आयेगा। उन्होने ऐतिहासिक बजट के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया। चौपाल में ब्लॉक प्रमुख गण, विधानसभा पदाधिकारी, मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्ष, मोर्चो व प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, महिला शक्ति करण सहित सभी क्षेत्र के अनेक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति और सक्रिय सहभागिता रही। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, यशकान्त सिंह, पुष्करादित्य सिंह , दुष्यन्त विक्रम सिंह आदि ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है । कहा कि युवाओं, किसानों, महिलाओं और उद्यमियों के लिए नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करने वाला है। कार्यक्रम में विजय तिवारी ,रामनिवास गिरी राकेश उपाध्याय, अरविन्द चौरसिया, सुजीत सोनी, अतुल यादव , श्याम नाथ चौधरी, रामउग्रह जायसवाल, प्रदीप सिंह, रवि प्रताप सिंह, के० डी० पाण्डेय राकेश, शमी विचिलमणि पाण्डेय, चन्द्रभान गुप्ता, प्रिंस जायसवाल, रजनीश चौधरी, मनोज सिंह, राजकुमार चौधरी, शैलेष, पप्पू चौधरी, जय प्रकाश जायसवाल, बृजेन्द्र प्रताप सिंह, रिकू, विकी यमुना पाण्डेय, बबराम सिंह राहुल, कृपाशंकर श्रीवास्तव, शिव प्रसाद सोनी पप्पू यादव कोटेदार, क्षेत्रीय प्रधान ,मोनू पाठक, अभिषेक त्रिपाठी, शिव प्रकाश सोनी, बंटू तिवारी मैलानी, बलराम तिवारी, संजय सिंह,, अशोक पाण्डेय, गोपाल सिंह, राकेश अग्रहरी, राम स्वरूप कसौधन, पंकज सिंह सभासद, केशव पाठक, रणधीर सिंह, राधेश्याम पाठक, अवधेश मिश्रा, सोनू अग्रहरी, जुग्गीलाल, फूलचंद्र शर्मा, फूले सोनकर, विपिन पाण्डेय, अनिल पाण्डेय के साथ ही भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

पिकप की ठोकर से बच्चे की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के भरमी गांव के पास गुरुवारअकी दोपहर एक मैजिक पिकप ने बच्चे को ठोकर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भरमी निवासी रामलाल का पुत्र कौशल (8) गुरुवार की दोपहर करीब एक बजे घर के बगल में खेल रहा था। लोटन से ठोठरी की तरफ जा रही मैजिक पिकप ने कौशल को ठोकर मार दिया। जिससे उसके सर में गंभीर चोट लग गई। स्वजनों ने उसे सीएचसी लोटन पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर थानाध्यक्ष मोहाना मौके पर पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष मोहाना जितेन्द्र सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। गाड़ी को पकड़ लिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मनरेगा के मूल स्वरूप की बहाली की मांग को लेकर कांग्रेस की पदयात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा। मनरेगा से महात्मा गांधी जी का नाम हटाने, योजना में किए गए हालिया बदलावों को वापस लेने तथा मनरेगा के मूल स्वरूप की बहाली की मांग को लेकर आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस जिलाध्यक्ष क़ाज़ी सुहेल अहमद की अगुवाई में इटवा के करहिया पुल से पदयात्रा निकाली। यह पदयात्रा कर दिया पुल से प्रारंभ होकर इटवा इटवा ब्लॉक होते हुए इटवा चौराहा के रास्ते इटवा तहसील पहुंची, जहां महामहिम राष्ट्रपति जी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार इटवा को सौंपा गया। और पद यात्रा शांति पूर्वक संपन्न हुई। पदयात्रा में कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी का झंडा एवं महात्मा गांधी जी का चित्र हाथों में लेकर चल रहे थे और मनरेगा के मूल स्वरूप की बहाली की मांग कर रहे थे। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष क़ाज़ी सुहेल अहमद एवं जिला उपाध्यक्ष जावेद मुकीम ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों और मजदूरों के लिए जीवनरेखा है। योजना से महात्मा गांधी जी का नाम हटाना उनके विचारों और श्रमिक हितों का अपमान है। उन्होंने मांग की कि मनरेगा में काम की गारंटी, मजदूरी की गारंटी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा सभी हालिया बदलावों को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। निःप्रदेश सचिव डॉ नादिर सलाम, मनरेगा कोआर्डिनेटर राजन श्रीवास्तव एवं जिला उपाध्यक्ष कृष्ण बहादुर सिंह ने कहा कि ने कांग्रेस पार्टी हमेशा से श्रमिकों और वंचित वर्ग के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। मनरेगा के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार को श्रमिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए योजना को पूर्ववत लागू करना चाहिए। इस अवसर पर अनिल सिंह अन्नू, सादिक अहमद, ज्ञानेंद्र पांडेय, पंकज चतुर्वेदी, सतीश चन्द्र त्रिपाठी, इश्तियाक चौधरी, गालिब बिसेन, अकील अहमद मुन्नू, मैनुद्दीन प्रधान, शमशाद अहमद, अश्विनी सिंह सोलंकी, श्याम किशोर पांडेय, रियाज़ मनिहार, आसिफ़ रिज़वी, डॉ प्रमोद कुमार, होरी लाल श्रीवास्तव, बीपत राम शर्मा, रियाजउद्दीन राईनी, शौकत अली, उमेश गौतम, शब्बीर अहमद, जैसराम, हलीम, गुरु प्रसाद, लालजी गुप्ता, भावनाथ मिश्रा, इनायतुल्लाह, शकील अहमद, बैतुल्लाह सहित सैंकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चला विशेष अभियान, सड़क किनारे ठेले व वाहन हटाए गए

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में 12 फरवरी 2026 को विभिन्न थाना क्षेत्रों में संचालित किया गया। इसी क्रम में थाना सिरसिया पुलिस ने कस्बा बेचईपुरवा में पैदल गश्त कर सड़क किनारे लगे अवैध ठेले, रेहड़ी, दुकानों तथा खड़े वाहनों को हटवाया। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग भी की गई। अभियान के दौरान अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में सार्वजनिक मार्गों पर कब्जा न करने की सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस ने दुकानदारों एवं आम नागरिकों से यातायात व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखने की अपील की है। यह कार्रवाई जनहित में की गई, जिससे लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी दूर हो सके और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

तेज रफ्तार वाहन ने युवक को कुचला, मौके पर ही मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। खेसरहा क्षेत्र के पेडारी चौराहे पर गुरुवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया. यहाँ एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. पुलिस के मुताबिक घटना सुबह 7 से 8 बजे के बीच की है। घ्राथमिक जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान परोई ग्राम निवासी पहलाद यादव (पुत्र मुख यादव) के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय युवक नशे की हालत में था. सुबह का समय होने के कारण सड़क पर आवाजाही कम थी, जिसका लाभ उठाकर आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार होने में सफल रहा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है और फरार वाहन की तलाश के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घ्पेडारी चौराहे पर वाहनों की रफ्तार पर कोई अंकुश नहीं है। घ्प्रशासन से यहाँ यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की गई है। घनिगरानी और सख्त चेकिंग की आवश्यकता है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर लगाम लग सके।

महिला की मौत पर सपा का उग्र प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट घेरकर की थानेदार पर कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जनपद के डेबरुआ थाना क्षेत्र के ग्राम तालकुण्डा में मारपीट के दौरान घायल महिला की मौत के बाद मामला गरमा गया है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष लालजी यादव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया। सपा नेताओं ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी डेबरुआ के निलंबन और एफआईआर में छूटे हुए 6 आरोपियों के नाम जोड़ने की मांग की है। परिजनों के अनुसार, 8 फरवरी को पुरानी रंजिश के चलते कृष्णावती चौहान पर जानलेवा हमला किया गया था। आरोप है कि थाने पहुंचने के बावजूद तत्काल मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। 11 फरवरी को उपचार के दौरान महिला की मृत्यु हो गई, जिसके बाद पुलिस ने धाराओं में बढ़ोतरी की। सपा का आरोप है कि घटना में कुल 11 लोग शामिल थे, लेकिन पुलिस ने सहित 6 मुख्य आरोपियों के

प्रभाव में आकर साधू सरन, मोतीलाल और संतकुमार नाम एफआईआर से बाहर कर दिए। प्रशासन को दी चेतावनी प्रदर्शन में पूर्व प्रत्याशी उग्रसेन प्रताप सिंह और पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह सहित कई दिग्गज नेता शामिल रहे। जिलाध्यक्ष ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और थाना प्रभारी पर कार्रवाई नहीं हुई, तो पार्टी बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी। फिलहाल, पुलिस प्रशासन विधिक कार्रवाई का हवाला दे रहा है, जबकि पोस्टमार्टम हाउस पर भारी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज में 12वीं की छात्राओं का विदाई समारोह संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज के परिसर में कक्षा 12वीं की छात्राओं के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहम्मद आलम एवं प्रधानाचार्या मुस्लिमा खातून ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुरुआत किया। विदाई समारोह के दौरान मुख्य अतिथि मोहम्मद आलम ने छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अपने आशीर्वचनों से विद्यालय की प्रधानाचार्या मुस्लिमा खातून ने कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और छात्राओं को आत्मविश्वास, अनुशासन एवं परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए। कार्यक्रम में छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल भावनात्मक और उत्साहपूर्ण हो गया। शिक्षकों ने छात्राओं के शैक्षिक एवं नैतिक विकास की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय को उन पर गर्व है। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से छात्राओं को स्मृति–चिन्ह भेंट किया गया। तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विदाई समारोह आपसी स्नेह, सम्मान और प्रेरणा के संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन अलका पांडेय ने किया। समारोह में मुख्य रूप से प्रेमलता, अंजुम परवीन, ईरम फातिमा, नजराना बतूल, आरिफा खातून, मलिक सबा अफजल सहित अध्यापक अध्यापिकाएं मौजूद रही।

श्री गणेश मैरेज हाल का भव्य उद्घाटन होगा 22 फरवरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र मिश्रौलिया के चेतिया चौकी अन्तर्गत जिगनिहवां–चेतिया मार्ग पर मालीजोत चौराहे पर स्थित श्री गणेश मैरेज हॉल का भव्य उद्घाटन का आयोजन दिनांक 22 फरवरी 2026 दिन रविवार को किया जायेगा। उक्त प्रोग्राम के बारें में जब प्रो0 चुनमुन से एक बात–चीत किया तो उन्होंने बताया कि श्री गणेश मैरिज हॉल में जो सुविधाएं हैं जिनमें एसी रुम और नानी एसी रुम, तिलक, शादी विवाह, मुग्जेशमेंट, बर्थडे पार्टी एवं मीटिंग हॉल के लिए पर्याप्त स्थान व शान्त वातावरण माहौल के साथ ही साथ चुनमुन टेन्ट हाउस उचित दर पर भी बुक किया जाता है। उक्त अवसर पर प्रताप यादव उर्फ टमाटर यादव, अंगद यादव, देवेंद्र कुमार उर्फ, शब्लू गुप्ता, रामूयादव आदि के द्वारा बताया गया कि श्री गणेश मैरेज हॉल में सुविधा व पर्याप्त जगह/स्थान के साथ–साथ गाड़ी पार्किंग की उचित व्यवस्था है। श्री गणेश मैरेज हॉल के बनने से क्षेत्र की जनता जनार्दन को इसका लाभ समय–समय पर मिलता रहेगा। श्री गणेश मैरिज हॉल के बनने से क्षेत्र के जनता जनार्दन एवं वासियोंको दूर–दराज जाने से राहत मिलेगा।

बिजली निजीकरण के विरोध में हड़ताल, ठप रहा कामकाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बिजली विभाग के निजीकरण की आहट ने देशभर के बिजली कर्मियों को लामबंद कर दिया है। सिद्धार्थनगर में भी इसका व्यापक असर देखने को मिला, जहां अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक ने कामकाज ठप कर अपना विरोध दर्ज कराया। बिजली क्षेत्र के निजीकरण और केंद्र सरकार की नई नीतियों के विरोध में आज सिद्धार्थनगर के बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। 'नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स' के आह्वान पर आयोजित इस एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल में जनपद के सभी बिजली कर्मी शामिल हुए। हड़ताल का मुख्य उद्देश्य सरकार के दो बड़े फैसलों को वापस लेने की मांग करना है। कर्मचारियों का मानना है कि यह बिल पावर सेक्टर में निजी कंपनियों के वर्चस्व को बढ़ावा देगा। प्रस्तावित नई नीति नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी 2026 को लेकर कर्मचारियों में असुरक्षा और निजीकरण का डर है। गुरुवार दोपहर 12रू00 बजे जिला मुख्यालय स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय (नौगढ़) पर भारी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी जमा हुए। देश के करीब 27 लाख बिजली कर्मियों के साथ सुर में सुर मिलाते हुए सिद्धार्थनगर के कर्मियों ने भी पूर्ण कार्य बहिष्कार किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान योगेश बघेल, अनिल यादव, विनीत कुशवाहा, संदीप कुमार, यादवेश राय, राजेश कुमार, सचिन कुमार, दीना वर्मा और नीरज कुशवाहा समेत कई प्रमुख पदाधिकारी और कर्मचारी डटे रहे। कर्मचारियों का स्पष्ट कहना है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया और निजीकरण की दिशा में कदम बढ़ाए, तो यह आंदोलन और भी उग्र रूप ले सकता है।

छात्र छात्राओं को बाल संरक्षण पर दिया प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ के संयुक्त सहयोग ब्लाक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा में गुरुवार को बच्चों में बाल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कवच परियोजना के अंतर्गत मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान तथा बाल कल्याण पुलिस अधिकारी थाना अम्बिका व शोभा भारती ने बच्चों से बाल समूह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रशिक्षण सत्र के दौरान बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा सहायता प्राप्त करने की प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।बाल कल्याण पुलिस अधिकारी उपनिरीक्षक परमानंद राय, महिला आरक्षी को बाल श्रम, बाल विवाह, शारीरिक एवं मानसिक शोषण तथा सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरल और प्रभावी ढंग से समझाया। एमएसईएमवीएस (डैम्डटै) के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अमन शर्मा ने बताया कि यदि किसी बच्चे के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा या शोषण होता है।तो वह बिना किसी भय के अपने अभिभावक, शिक्षक या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दे सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि आपात स्थिति में इस हेल्पलाइन के माध्यम से तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है।सत्र को सहभागितापूर्ण बनाने के लिए बच्चों को प्रश्न पूछने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करना, उन्हें सुरक्षित रहने के उपायों से अवगत कराना तथा बाल संरक्षण के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना रहा।पुलिस विभाग द्वारा बच्चों को टोल फ्री नंबर 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 एवं 1090 की जानकारी भी दी गई,ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे सहायता प्राप्त कर सकें। पुलिस महिला आरक्षी अम्बिका ने कहा कि बाल विवाह केवल सरकारी प्रयासों या बच्चों को जागरूक करने से ही समाप्त नहीं होगा, बल्कि इसके लिए समाज और समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी समाज से बाल विवाह जैसी कुरीतियां समाप्त होंगी।कार्यक्रम के अन्त में 18 वर्ष के कम आयु में बाल विवाह न करने के लिए शपथ दिलाई। इस अवसर पर कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेश कुमार, राकेश कुमार राज, सिद्धार्थ कुमार, रेनू मद्धेशिया,पवन चौरसिया,अमन शर्मा, रूपा उमर, उपनिरीक्षक परमानंद राय,पुलिस महिला आरक्षी अंबिका,शोभा भारती, कांस्टेबल पवन मौर्य,अविनाश सिंह तथा विद्यालय के छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। बच्चों ने प्रशिक्षण को उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने मंडलायुक्त को सौंपा पत्र, जनहित में त्वरित कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भाजपा बस्ती जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बस्ती विकास प्राधिकरण द्वारा लगाए जा रहे अत्यधिक विकास शुल्क, प्राधिकरण में व्याप्त अनियमितताओं तथा बिजली विभाग और विजिलेंस विभाग की कार्यप्रणाली में सामने आ रही समस्याओं को लेकर मंडलायुक्त अखिलेश सिंह को पत्र सौंपकर ठोस एवं त्वरित कार्रवाई की मांग की। पत्र में जिलाध्यक्ष ने कहा कि विनियमित क्षेत्र बस्ती के विघटन के पश्चात गठित बस्ती विकास प्राधिकरण में नगर पालिका क्षेत्र सहित 217 ग्रामों को शामिल किया गया है, जहाँ अधिकांश आबादी गरीब, मध्यमवर्गीय एवं कृषक परिवारों की है। प्राधिकरण में शामिल होने के बाद भवन निर्माण, मरम्मत तथा जर्जर भवनों के पुनर्निर्माण जैसे आवश्यक कार्यों पर भी विकास शुल्क लगाया जा रहा है, जिससे आमजन पर अनावश्यक आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास के नाम पर जनता पर आर्थिक दबाव बनाना न्यायसंगत नहीं है। जनहित को सर्वोपरि रखते हुए विकास शुल्क की व्यापक समीक्षा कर इसे यथासंभव न्यूनतम किया जाए तथा गरीब एवं कृषक परिवारों को विशेष राहत प्रदान की जाए। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने बिजली विभाग की अनियमित आपूर्ति, जर्जर विद्युत लाइनों एवं विजिलेंस विभाग की कार्यप्रणाली में कथित

अनियमितताओं से उत्पन्न हो रही जनसमस्याओं को भी गंभीरता से उठाया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आम नागरिकों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाने और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उच्चस्तरीय जांच एवं प्रभावी सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। मंडलायुक्त अखिलेश सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जनहित से जुड़े इन मुद्दों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। जिलाध्यक्ष के समर्थन में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा, ब्लॉक प्रमुख बस्ती सदर श्री राकेश श्रीवास्तव एवं ब्लॉक प्रमुख श्री अभिषेक कुमार ने भी पत्र देकर अपनी सहमति दर्ज कराई। पत्र सौंपते समय बलराम सिंह, अंकुर वर्मा, अमृत कुमार वर्मा एवं गौरव अग्रवाल उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि प्रशासन शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय लेकर क्षेत्र की जनता को राहत प्रदान करेगा।

कलवारी–टाण्डा मार्ग पर एक नए आधुनिक पुल के निर्माण की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बजट सत्र के दौरान विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने विधान परिषद में बस्ती जनपद को अम्बेडकर नगर से जोड़ने वाले कलवारी–टांडा मार्ग पर एक नए आधुनिक एवं चौड़े पुल के निर्माण की मांग उठाया। सुभाष यदुवंश ने नियम 115 के तहत ध्यानाकर्षण करते हुये कहा कि यह पुल केवल दो जनपदों को जोड़ने का माध्यम नहीं है, बल्कि पूर्वांचल के सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अंबेडकर नगर, बस्ती सहित अनेक जिलों को नेपाल सीमा से जोड़ने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। व्यापार, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सीमावर्ती आवागमन की दृष्टि से यह मार्ग रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में इस मार्ग पर केवल एक पुराना एवं अत्यंत संकरा पुल विद्यमान है, जिसकी चौड़ाई आज की यातायात आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है। भारी वाहनों, यात्री बसों, एम्बुलेंस एवं दैनिक यातायात के कारण यहां निरंतर भीषण जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे आम नागरिकों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ता है, दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है और आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। विधानपरिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने कहा कि यह स्थिति केवल असुविधा का विषय नहीं है, बल्कि आर्थिक क्षति, समय की बर्बादी और जन–सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुकी है। पूर्वांचल के संतुलित विकास, नेपाल से व्यापारिक संपर्क को सुदृढ़ करने और क्षेत्रीय समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए इस मार्ग पर एक नए, सुदृढ़ एवं आधुनिक पुल का निर्माण अब अत्यंत आवश्यक हो गया है।

विज्ञान जनजागरण अभियान में विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन गोरखपुर द्वारा 2 फरवरी से 12 फरवरी 2026 तक पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों में 10–दिवसीय निःशुल्क विज्ञान जनजागरण अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत हैंड्स–ऑन साइंस एक्टिविटी, वैज्ञानिक व्याख्यान तथा दूरबीनों के माध्यम से आकाश दर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गये जिनमें विद्यार्थियों और शिक्षकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विज्ञान को सरल, रोचक और व्यवहारिक रुप में समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना विकसित करना था। प्रतिभागियों को स्वयं वैज्ञानिक प्रयोग करने का अवसर दिया गया।जिससे विज्ञान को प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझने का अवसर मिला। यह अभियान गोरखपुर के साथ–साथ कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, संतकबीर नगर, बस्ती और सिद्धार्थनगर जनपद में आयोजित किया गया जिसमें लगभग 5000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अभियान का शुभारंभ महात्मा बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल कुशीनगर से हुआ और समापन महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा में किया गया।अभियान के दौरान मालती देवी हायर सेकेंडरी स्कूल कुशीनगर, हीरामन महात्तम पी.जी. कॉलेज देवरिया, लिटिल फ्लावर स्कूल गोरखपुर, राजकीय हाई स्कूल नवापार, ब्लू बेल्स जूनियर हाई स्कूल, हरिश्याम इंटरमीडिएट कॉलेज महराजगंज, प्रैक्सिस विद्यापीठ बस्ती, कासिम इंटर कॉलेज सिद्धार्थनगर व कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा शोहरतगढ़ सहित कई शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किये गये।कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित विज्ञान संचारकों और विशेषज्ञों – चंद्रमौली जोशी, चित्रा सिंह 'अंतरिक्ष देवी', अमर पाल सिंह, राहुल व्यास, संतोष कुमार और डॉ. अनूप कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और जिज्ञासा बनायें रखने के लिए प्रेरित किया। फाउंडेशन की संस्थापक प्रिया यादव ने कहा कि यह पहल विज्ञान को जन–जन तक पहुँचाने का एक दूरदर्शी प्रयास है जिससे नई पीढ़ी में वैज्ञानिक चेतना और अनुसंधान की भावना को मजबूत किया जा सके। फाउंडेशन द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रहे और भविष्य में भी ऐसे विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किये जाने की योजना है। कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा शोहरतगढ़ में समापन के अवसर पर चित्रा सिंह, अमरेश कुमार, राकेश कुमार राज, मुस्तन शेरुल्लाह, बृजेश यादव, सिद्धार्थ कुमार, पवन चौरसिया, मनमोहन, राकेश जायसवाल, कमलेश मिश्रा, चंद्र प्रकाश उर्फ चिंटू, रामानंद पाण्डेय, सुग्रीव यादव, निसार चौधरी, राधेश्याम, रेनू मद्धेशिया,आशा चौधरी, शांति देवी,सोनमती,कोइला चौधरी, राधिका, राजकिशोर चौधरी सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहें।

समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास को समर्पित है ऐतिहासिक बजट : नितेश पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार के द्वारा प्रदेश के विकास को गति देने हेतु प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत किए गए ऐतिहासिक बजट को लेकर भाजपा नेता नितेश पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश का ष्9.12 लाख करोड़ से अधिक का ऐतिहासिक बजट विकास, सुशासन और जनकल्याण के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर इस दूरदर्शी बजट के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास, आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण, युवाओं, किसानों, महिलाओं एवं गरीबों इन चारों स्तंभों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा तथा यह बजट सबका साथ सबका विकास एवं विश्वास की भावना के अनुरूप समावेशी प्रगति का शशक्त आधार भी होगा । वहीं इस बजट को लेकर वरिष्ठ नेत्री राजकुमारी पाण्डेय मण्डल अध्यक्ष अमित उपाध्याय सहित जी०प०स० सबलू साहनी विवेक गोस्वामी मंगलेश शुक्ला श्रवण दुबे श्यामप्रकाश जायसवाल विनय राव गंगाराम विनय वर्मा राकेश मिश्रा मोहन चौधरी राजेंद्र विश्वकर्मा आशीष मिश्रा राजकुमार चौधरी रणजीत चौधरी नीतू कन्नौजिया मुन्नी जायसवाल सुरेंद्र यादव अभिषेक कसौधन शोभनाथ यादव संतोष यादव प्रेम जायसवाल अंब्रीश जायसवाल हरिशंकर तिवारी तेज प्रताप रामबिलास मौर्य विजय मोदनवाल संजय मिश्र घनश्याम चौधरी सत्याराम पाण्डेय आदि ने योगी सरकार के ऐतिहासिक बजट को लेकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

साध्वी सरस्वती के आगमन को लेकर तैयारियां पूरी, डुमरियागंज में आज होगा भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। बढ़नी चाफा नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मराज वर्मा ने गुरुवार को बताया कि साध्वी सरस्वती के शुक्रवार को डुमरियागंज क्षेत्र में आगमन पर अमौना में पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजन समिति द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वागत समारोह में शामिल लोगों का काफिला अमौना से मोतीगंज, सोनहटी, बैदौला चौराहा होते हुए डुमरियागंज पहुंचेगा। इसके बाद खीरा मंडी, होते हुए मंदिर चौराहे से डुमरियागंज चंद्रदीप घाट मार्ग से भवानीगंज होते हुए बढ़नी चाफा स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर समापन होगा। धर्मराज वर्मा ने बताया कि धार्मिक आयोजन के तहत 14 फरवरी को भव्य कलश यात्रा भी निकाली जाएगी, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बेटियां पढ़ेंगी तो बढ़ेंगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ह्यूमाना पीपुल टू पीपल इंडिया के जिला समन्वयक सिद्धार्थ त्रिवेदी के कुशल मार्गदर्शन में ब्लॉक खेसरहा के उच्च प्राथमिक विद्यालय विशुनपुर, में कदम शारदा प्रोग्राम के अंतर्गत छात्रों ने रैली निकाल कर लोगों को शिक्षा के प्रति सजग किया। साथ ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से संबंधित विभिन्न प्रकार के पोस्टर बनाकर तथा स्लोगन लिखकर नारे लगा कर पूरे गांव में जागरूकता रैली के माध्यम से लोगो को जागरूक किया। कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, लिंगानुपात सुधारने और महिला सशक्तिकरण का जो राष्ट्रीय संकल्प है उसको पूरा करने में अपना सहयोग किया। यह पहल बेटियों को जीवन का अधिकार, सुरक्षा और शिक्षा देकर उन्हें समाज की

मुख्यधारा में लाकर, भ्रूण हत्या जैसी कुरीति को मिटाने और नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक प्रयास है। बेटी है तो कल है, इस कार्यक्रम का नेतृत्व कदम ऑर्गेनाइजर शन्नो पाठक द्वारा किया गया इसके साथ ही ह्यूमना पीपल टू पीपल इंडिया के संरक्षण में चल रहे कदम शारदा कार्यक्रम में एजूकेशन वालंटियर के रूप में कार्यरत अनुराधा का भी भरपूर सहयोग रहा। इस कार्यक्रम को विद्यालय के प्रधानाध्यापक नीरज मिश्रा के संरक्षण में आयोजित किया गया। मौके पर विद्यालय के अन्य अध्यापक व ग्रमीण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रसंसा करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा कि यह एक अद्भुत पहल है और लोगों को इसके बारे में जानकारी मिलेगी तो निश्चित रूप से यह समाज में एक अच्छा संदेश फैलेगा। मैं विद्यालय परिवार की तरफ से ह्यूमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया व इसके सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ जिनके प्रयास से शारदा कार्यक्रम हमारे विद्यालय में संचालित हो रहा है।

आशीर्वचन समारोह में विद्यार्थियों को मिला जीवन निर्माण का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, तेतरी बाजार में द्वादश कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वचन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सत्येन्द्र दूबे उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को जीवन निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण सूत्र प्रदान किए। अपने संबोधन में प्रो. दूबे ने कहा कि विद्या भारती के विद्यार्थी शिक्षा और संस्कार दोनों क्षेत्रों में सदैव अग्रणी रहते हैं। उन्होंने आचार्यों को मूर्तिकार बताते हुए कहा कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व से अवांछनीय तत्वों को हटाकर उनमें श्रेष्ठ गुणों का विकास करते हैं। अपने प्रेरक संबोधन में प्रो. दूबे ने कहा कि सफलता का आकलन केवल धन से नहीं किया जा सकता। शिक्षा का संबंध केवल रोजगार से नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण से होता है। शिक्षा कभी व्यर्थ नहीं जाती, बल्कि कठिन समय में मार्गदर्शक बनती है। उन्होंने कहा, "शिक्षा शेरनी का दूध है, जो इसे पीएगा वह दहाड़ेगा, और जो नहीं पीएगा वह केवल खाल पहनकर शियार की तरह मिमियाएगा।" उन्होंने विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का संदेश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वस्थ एवं सामर्थ्यवान बनना आवश्यक है। उन्होंने रामचरितमानस की पंक्ति "गुरु गृह गए पढ़न रघुराई, अल्पकाल विद्या सब पाई" उद्धत करते हुए गुरु–शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि प्रो. यशवंत राव ने विद्यार्थियों को नकारात्मकता त्यागकर सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सतत प्रयास और सकारात्मक दृष्टिकोण से ही निरंतर प्रगति संभव है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को ईमानदार और आदर्श नागरिक बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने का संकल्प ही सफलता की कुंजी है। पूर्व छात्र एवं एआईजी जयप्रकाश शुक्ल ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन और परिश्रम का महत्व समझाया। द्वादश के विद्यार्थियों ने भी अपने विद्यालयीन अनुभवों को साझा कर भावुक क्षण उत्पन्न कर दिए। कार्यक्रम में एकादश एवं द्वादश के छात्र–छात्राओं समेत आचार्य बंधु एवं आचार्या भगिनी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

बच्चों की शैक्षिक प्रगति में अभिभावक एवं सामुदायिक भागीदारी के लिए पी एम श्री विद्यालय समोगरा में मनाया गया वार्षिकोत्सव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर में आज दिनांक 12 फरवरी 2026 दिन गुरुवार को विद्यालय का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डायट प्रवक्ता श्री श्रवण कुमार तथा अतिथि के रूप में श्री धर्मेंद्र पाल जी खंड शिक्षा अधिकारी मिठवल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से किया गया इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा कार्यक्रम में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई इन कार्यक्रमों में देशभक्ति कॉमेडी और सामाजिक संदेश जैसे कार्यक्रम समाहित रहे कुछ प्रमुख कार्यक्रम ष्स्कूल नहीं जाना मैंष (कॉमेडी), ष्मोबाइल बुरी बला हैष्(अभिभावक एवं बच्चों की जागरूकता) तथा ष्जियो तो हर दिन ऐसे जियोष्(सामाजिक संदेश) वाले कार्यक्रम तथा बच्चों की भविष्य निर्माण हेतु कैरियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस मार्गदर्शन एवं परामर्श दिया गया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत पी टी ड्रिल कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय एवं लुभावना रहा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रस्तुत ष्आज बिरज में होली रे रसियाष् नित्य ने दर्शकों का मन मोह लिया और आने वाले पावन पर्व होली की आज ही याद दिला जो ग्रामीणों द्वारा खूब पसंद किया। स्कूल के बच्चों के साथ उनके अभिभावक एवं ग्रामीण जन की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रधानाध्यापक श्री ऋषि धर द्विवेदी द्वारा विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट भी सभी के लिए शिक्षा (समग्र शिक्षा) विद्यालय प्रबन्ध समिति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। बच्चों को शैक्षणिक वर्ष 2025–26 में खेल प्रतियोगिताओं एवं कक्षा की उपलब्धियां,अधिकतम उपस्थिति, प्रतियोगी परीक्षाओं आदि के लिए पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर श्री मदन चन्द्र,अनुराग वर्मा, शिव प्रसाद चौधरी, नाजली सफी, वंदना पांडे,निताका द्विवेदी, आदित्य नाथ यादव, राघवेंद्रमणि,मनीष दूबे,सहायक अध्यापक एवं सहित गिरजेश, मोनिका, सचकला शिक्षा मित्र राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लॉक मंत्री नवनीत पांडेय एवं सहायक लेखाकार जय प्रताप मौजूद रहे।

नागरिक सुरक्षा में तैनात उपनिरीक्षक अजय गोंड की मौत गुत्थी अनसुलझी पहेली बनकर क्यों? रह गयी यह बड़ा सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सरकार और सरकारी सिस्टम में 2016 बैच तैनात दरोगा अजय कुमार गोंड के दरोगा अजय कुमार गोंड जनपद देवरिया कोतवाली थाना अन्तर्गत मूडाडी के निवासी थे नागरिक सुरक्षा में मुस्तैद रहने वाले उपनिरीक्षक बस्ती जनपद के थाना परसुरामपुर में तैनाती थीं और परसुरामपुर थाना में तैनात उपनिरीक्षक अजय कुमार गोंड बाखूबी इमानदारी से अपनी डियूटी निभाते थे। डियूटी के पश्चात बस्ती कोतवाली के मिश्रौलिया मुहल्ले में एक किराये के मकान में पत्नी रंजित गोंड छोटे बेटे संग रहते थे परसुरामपुर थाना में रहस्यमयी परिस्थितियों में गायब हो गये जिसकी गुमशुदगी उनकी पत्नी रंजित गोंड ने परसुरामपुर थाना में दर्ज करायी थी लेकिन सवाल तब खड़ा हुआ सरकारी सिस्टम पर जब लापता हुए दरोगा का शव बहती अयोध्या बार्डर छावनी थाना क्षेत्र स्थित माझा के सरयू नदी में उतराता मिला घटना की सूचना पाकर पूरे परिवार में कोहराम मच गया जब नागरिक सुरक्षा में लगे उपनिरीक्षक अजय कुमार गोंड के मौत की गुत्थी फारेंसिक टीम और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नहीं खुला तो दरोगा पत्नी रंजित गोंड भाई अरुण कुमार गोंड एडीएम झांसी ने अजय कुमार गोंड की मौत सुनियोजित साजिश के तहत हत्या का आरोप लगाया और बड़ी कार्यवाही की मांग उठाया है। इन सभी तथ्यों और मीडिया रिपोर्टो का संज्ञान लेकर आदिवासी विकास सेवा संस्थान के प्रदेश सचिव संतोष कुमार गोंड ने लगभग दर्जनों साथियों के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के माध्यम से अपर जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर गौरव श्रीवास्तव को सौंपकर घटना में शामिल अभियुक्तों की तत्काल उच्चस्तरीय निष्पक्ष जाँच कराये जाने की मांग को लेकर त्वरित सुनवाई करते हुए दोषियों को फांसी की सजा दिये जाने के साथ– साथ उनके स्वजनों को एक करोड़ का मुआवजा तथा एक परिवार को नौकरी दिए जाने का वकालत किया अब आदिवासी विकास सेवा संस्थान के प्रदेश सचिव का का कहना है कि आदिवासी जनजाति गोंड, धुरिया समाज में जनमे अजय कुमार गोंड को त्वरित न्याय दिया जाये श्री गोंड ने कहा उपनिरीक्षक अजय कुमार गोंड की मौत से पूरे गोंड, धुरिया जनजाति समाज में भारत के प्रत्येक राज्यों में शोक की लहर है इसलिए उपनिरीक्षक अजय कुमार गोंड की मौत की गुत्थी बस्ती पुलिस जल्द से जल्द सुलझाये जिससे पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय मिल सकें और भविष्य में इस तरह की घटना न घट सकें इस ज्ञापन के दौरान आदिवासी विकास सेवा संस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष मुरलीधर धुरिया, कन्हैयालाल गोंड, कल्पनाथ गोंड, अभिषेक कुमार गोंड, सुनील कुमार गोंड, संतोष कुमार, दिलीप कुमार गोंड, कन्हैया लाल धुरिया, पशुपति गोंड, राजकुमार धुरिया आदि लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में ...

डिजिटल नशा

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति–सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक–टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन–मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति–निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा। वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता–पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

मिथक के रूप में शिवभक्त रावण के रूप की परिकल्पना

मिथक और लोक चेतना में रावण का व्यक्तित्व केवल खलनायक का नहीं है, बल्कि वह श्परम शिव भक्तश के एक जटिल और विस्मयकारी रूप को भी दर्शाता है। रावण के इस पक्ष की परिकल्पना उसे एक साधारण राक्षस से ऊपर उठाकर एक अत्यंत विद्वान, तपस्वी और संगीतज्ञ के रूप में स्थापित करती है।

घशिव भक्त के रूप में रावण की परिकल्पना के मुख्य स्तंभों को देखिए।

६ महाज्ञानी रावण द्वारा तांडव स्तोत्र की रचना को भक्ति और कला का संगम माना जाता है। घ्रावण को शशिव तांडव स्तोत्रश का रचयिता माना जाता है। मिथक है कि जब रावण ने अपनी शक्ति के अहंकार में कैलाश पर्वत को उठाने का प्रयास किया, तब भगवान शिव ने अपने पैर के अंगूठे से पर्वत को दबा दिया। उस पीड़ा और भक्ति के मिलन से रावण के मुख से जो काव्य प्रस्फुटित हुआ, वही शिव तांडव स्तोत्र है। घ्यह स्तोत्र रावण की छंदबद्ध विद्वत्ता और अटूट श्रद्धा का प्रतीक है।

ध्यातव्य है कि रावण दशानन हैं। ज्ञान के प्रतीक, घ्रावण के दस सिरों को प्रायः अहंकार का प्रतीक माना जाता है, लेकिन शिव भक्ति के संदर्भ में इन्हें चार वेदों और छह शास्त्रों के प्रकांड ज्ञान का प्रतीक माना गया है। वह एक ऐसा भक्त था जिसके पास चेतना के दस स्तर थे। उसकी भक्ति केवल भावुकता नहीं, बल्कि एक उच्च बौद्धिक साधना थी।

रावण के आत्मलिंग की कथा को भी जाना जाए। घ्दरअसल रावण की भक्ति की पराकाष्ठा श आत्मलिंग श (वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग) की कथा में । वह भगवान शंकर जी को लंका में स्थापित करना चाहता था। यह कथा दर्शाती है कि रावण शिव को अपने अधिकार में लेना चाहता था। उसकी भक्ति में श्समर्पणश के साथ–साथ अधिकार का भाव भी था, जो उसे अन्य भक्तों से अलग बनाता है।

घ्संगीत के विषय में बात की जाए तो रावण को श्रुद्र वीणाश का आविष्कारक माना जाता है। वह अपनी नसों को वीणा के तारों की तरह उपयोग कर भगवान शिव की स्तुति करता थाकृयह कल्पना पराकाष्ठा की आत्म–बलिदान वाली भक्ति को दर्शाती है। घ्मूर्तिकला को देखें तो पाएंगे कि भारतीय मंदिरों में श्रावणानुग्रहश (रावण पर शिव का अनुग्रह) की मूर्तियाँ बहुत प्रसिद्ध हैं, जहाँ वह कैलाश के नीचे दबा हुआ है लेकिन भक्ति में लीन है। बात यह है कि घमिथक के रूप में शिव भक्त रावण की परिकल्पना हमें यह सिखाती है कि ज्ञान और भक्ति यदि अहंकार के साथ जुड़ जाए, तो वह विनाश का कारण बनती है। वह एक ऐसा ष्महापंडितष् है जिसका पतन उसकी विद्वत्ता की कमी से नहीं, बल्कि उसके चरित्र के असंतुलन से हुआ।

घ्लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

अदालती चौखट पर नूरा-कुश्ती की हकीकत

न्यायपालिका की वास्तविक ताकत उसकी पारदर्शिता और सत्य के प्रति अडिग निष्ठा में निहित है। हमें एक ऐसी न्यायिक संस्कृति विकसित करनी होगी जहां चालाकी की जगह सच्चाई का बोलबाला हो। जैसा कि कहा गया है, `न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए'। जब हम इन साजिशी मुकदमों का पर्दाफाश करेंगे, तभी हम एक पारदर्शी–मजबूत न्याय प्रणाली का निर्माण ...

न्यायपालिका वह पवित्र स्थान है जहां सत्य की प्रतिष्ठा होती है, लेकिन आज 'कलूसिव सूट' (साजिशी मुकदमों) के जरिए इस मंदिर की गरिमा को चुनौती दी जा रही है। यह कानूनी जगत का वह अंधेरा कोना है ... और प्रतिवादी विरोधी होने का मात्र ... हैं, जबकि हकीकत में वे एक ही ... पटकथा' के किरदार होते हैं। जब ... गुहार लगाने वाला और उसका वि... वाला, दोनों ही परदे के पीछे एक हो... अदालत का कठघरा केवल एक रंगमं... रह जाता है। न्याय की बुनियादी अव... ठेस पहुंचती है। ऐसी कृत्रिम लड़ाइयां... न्यायिक समय की बर्बादी हैं बल्कि उन... शोषितों का हक भी मारती हैं जो न्याय ... में अंतिम पायदान पर खड़े हैं। सरल शब्दों में कहें तो जब दो पक्ष आपस में हाथ मिलाकर अदालत के सामने 'नूरा–कुश्ती' (दिखावटी लड़ाई) करते हैं, तो उसे कानून में 'कलूसिव सूट' कहा जाता है। आम बोलचाल में इसे 'साजिशी मुकदमा' कहना ज्यादा सटीक होगा। यह एक ऐसा कृत्रिम विवाद है जहां दोनों पक्ष वास्तव में एक–दूसरे के विरोधी नहीं होते और उनके बीच कोई वास्तविक कानूनी संघर्ष नहीं होता। वे अदालत की चौखट पर सिर्फ इसलिए पेश होते हैं ताकि आपसी साजिश के जरिए एक ऐसी 'डिक्री' या सरकारी आदेश हासिल कर सकें, जिसे वे ईमानदारी के रास्ते से कभी प्राप्त नहीं कर सकते थे। हमारी भारतीय न्याय प्रणाली 'प्रतिद्वंद्वी पद्धति' पर आधारित है, जिसका मूल सिद्धांत ही यह है कि जब दो विरोधी पक्ष पूरी शिद्दत से अपनी बात और दलीलें रखेंगे, तभी सत्य छनकर बाहर आएगा। लेकिन जब विरोध ही दिखावटी हो और दोनों पक्ष 'मेज के नीचे'

हाथ मिला चुके हों, तो अदालत महज एक मूकदर्शक बनकर रह जाती है। निस्संदेह, यह उस पवित्र तंत्र की तौहीन भी है जिसे समाज में न्याय की रक्षा के लिए बनाया गया है। कानून की नजर में 'मिलीभगत' के लिए कोई सहानुभूति नहीं है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 40 स्पष्ट रूप से प्रावधान करती है कि यदि कोई फैसला, आदेश या डिक्री 'धोखे' या 'मिलीभगत' से प्राप्त की गई है, तो उसे किसी भी समय चुनौती दी जा सकती है। यह धारा एक सुरक्षा कवच है। इसके अलावा, नागरिक प्रक्रिया संहिता के तहत अदालतों को यह अंतर्निहित शक्ति प्राप्त है कि वे ऐसे मुकदमों को पहचानते ही खारिज कर दें। कानून का एक वैश्विक सिद्धांत है– धोखे से कभी भी कोई कानूनी अधिकार पैदा नहीं हो सकता। भारतीय न्यायपालिका ने हमेशा से इन साजिशी मुकदमों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया है। इस दिशा में 'नगुबाई अम्मल बनाम बी. शमा राव' (1956) का फैसला एक नजीर है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 'साजिश' और 'धोखे' के बीच के महीन अंतर को स्पष्ट किया। अदालत के अनुसार, 'फ्रॉड' में एक पक्ष दूसरे को छलता है, किंतु 'कलूजन' में दोनों पक्ष मिलकर अदालत के साथ छल करते हैं। जब वादी और प्रतिवादी के बीच कोई वास्तविक विवाद न हो और उनका एकमात्र उद्देश्य न्याय की आड़ में किसी तीसरे पक्ष का हक मारना हो, तो वह पूरी तरह 'साजिश' है। इसी प्रकार, 'रूपचंद गुप्ता बनाम रघुवंश कुमार' (1964) मेंअदालत ने आगाह किया कि यदि डिक्री का उद्देश्य किसी किराएदार या हकदार का अधिकार मारना है, तो वह डिक्री बातिल (शून्य) होगी। इन फैसलों से स्पष्ट है कि न्याय के सिंहासन पर बैठी अदालतें केवल कागजी सबूतों को नहीं तौलतीं, बल्कि मुकदमों के पीछे छिपी बदनियती को पहचानने की कुव्वत भी रखती हैं। लोग ऐसा जोखिम अक्सर निजी स्वार्थ के लिए उठाते हैं, जैसे टैक्स चोरी, बैंक के कर्ज से बचना या अवैध कब्जा करना। इसका सबसे बड़ा खमियाजा उस 'तीसरे पक्ष' को भुगतना पड़ता है जो अनजाने में अपना कानूनी हक खो देता हैय जैसे पिता–पुत्र की मिलीभगत बैंक के अधिकार को खत्म कर सकती है। यहां 'मैत्रीपूर्ण मुकदमे' (धारा 90, नागरिक प्रक्रिया संहिता) और 'साजिशी मुकदमे' के बीच की 'कुत्सित मंशा' को समझना लाजिमी है। जहां मैत्रीपूर्ण वाद कानूनी स्पष्टता के लिए होते हैं, वहीं साजिशी मुकदमे का उद्देश्य 'अधिकार का अपहरण' करना होता है। इसी महीन लकीर को पहचानना ही एक न्यायाधीश की असल परीक्षा है। एक वकील के लिए उसका पेशा केवल जीविका नहीं, बल्कि एक पवित्र जिम्मेदारी है। वकीलों को यह समझना होगा कि वे 'ऑफिसर ऑफ द कोर्ट' हैं, न कि किसी साजिश के पटकथा लेखक। यदि कोई अधिवक्ता जानते हुए भी ऐसे फर्जी मुकदमों का हिस्सा बनता है, तो बार काउंसिल को ऐसे सदस्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस खतरे को टालने के लिए सजग 'न्यायिक सक्रियता' अनिवार्य है। अदालतों को मुकदमों के पीछे छिपी मंशा को भांपना होगाय जहां प्रतिवादी बिना किसी प्रतिरोध के सब स्वीकार कर ले, वहां न्यायपीठ को तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए भारी आर्थिक दंड की ऐसी नजीर पेश करनी होगी, जो भविष्य के लिए सबक बने। साथ ही, उन 'तीसरे पक्षों' के लिए कानूनी राह आसान करनी होगी, जो इन बंद कमरों की साजिशों के असली शिकार होते हैं।

ट्रेड डील पर अमेरिकी किसान लॉबी का दबाव

सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन अश्वफ इंडिया के अनुसार, `मौजूदा अश्वयल ईयर 2025 –26 के लिए कुल सोयाबीन की उपलब्धता 110.02 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि 2024–25 में 134.76 लाख टन थी।' चुनांचे, कोई 6 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन के आयात की जरूरत भारत को पड़ेगी। भारत मुख्य रूप से अर्जेंटीना और ब्राजील से सोयाबीन तेल इंपोर्ट करता है। इसके ...

अब अमेरिकी किसान भारत में हुए टैरिफ डील से थोड़ी राहत महसूस कर रहे हैं। इस साल अमेरिका में मध्यावधि चुनाव है, किसानों का गुस्सा शांत नहीं हुआ तो ट्रंप के सारे किये–कराये पर पानी फिर जायेगा। दिसंबर, 2025 के पहले हफ्ते की खबर जिन्हें याद नहीं, वो दोबारा से उसका स्मरण कर लें, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका–चीन व्यापार तनाव में फंसे किसानों की सहायता के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित 12 अरब अमेरिकी डॉलर के कृषि सहायता पैकेज की घोषणा की थी। इलिनोइस के सोयाबीन किसान जॉन बार्टमैन ने कहा था, कि यह सहायता 'ऊंट के मुंह में जीरा' के समान है। लेकिन, अब अमेरिकी किसान भारत में हुए टैरिफ डील से थोड़ी राहत महसूस कर रहे हैं। इस साल अमेरिका में मध्यावधि चुनाव है, किसानों का गुस्सा शांत नहीं हुआ, तो सारे किये–कराये पर पानी फिर जायेगा। यह महत्वपूर्ण चुनाव अभी 10 महीने दूर है, और असली प्रचार अभियान अगले महीने शुरू होगा, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपना संबोधन देंगे। मिडटर्म चुनाव नवंबर में राष्ट्रपति के कार्यकाल के बीच में होते हैं, और इनका नतीजा आमतौर पर यह होता है कि राष्ट्रपति की पार्टी अमेरिकी कांग्रेस में अपनी पकड़ खो देती है। पिछले 23 मिडटर्म चुनावों में, राष्ट्रपति की पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में औसतन 27 सीटें और सीनेट में तीन सीटें गंवाई हैं। सिर्फ दो बार ही राष्ट्रपति की पार्टी दोनों सदनों में सीटें जीत पाई है। इसके दो कारण होते हैं। पहला, जो पार्टी सत्ता में नहीं होती इस मामले में, डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके

समर्थक आमतौर पर ज़्यादा वोटिंग करवाने के लिए मोटिवेटेड होते हैं। दूसरा, राष्ट्रपति की अप्रूवल रेटिंग आमतौर पर ओवल ऑफिस के पहले दो वर्षों में कम हो जाती है, जैसा कि ट्रंप के साथ हुआ है, जो स्विंग वोटर्स और निराश वोटर्स को प्रभावित कर सकता है। वाशिंगटन डीसी स्थित कैपिटल ग्रुप के पोलिटिकल इकोनॉमिस्ट, मैट मिलर बताते हैं, 'रिपब्लिकन अभी सीनेट और हाउस दोनों पर बहुत कम अंतर से कंट्रोल रखते हैं। किसी भी सदन को खोने से अगले दो सालों में रिपब्लिकन द्वारा लाए गए किसी भी बड़े कानून को पास करने का कोई भी मौका खत्म हो जाएगा, और यह ट्रंप को उनके बाकी कार्यकाल के लिए डिफेंसिव मोड में डाल देगा।' 'कैपिटल ग्रुप' का काम वित्तीय परामर्श सेवाएं प्रदान करना है। उसके पास विगत 90 वर्षों का डाटा उपलब्ध है। भारत और चीन की तरह, अमेरिका भी कृषि प्रधान देश है। इस वजह से कृषि पैदावारों के निर्यात ने एक ताकतवर किसान लॉबी खड़ी कर दी है। पिछले तीन दशकों में संयुक्त राज्य अमेरिका में कृषि भूमि के उपयोग में विविधता आई है, लेकिन मक्का, सोयाबीन, घास, गेहूं, कपास, ज्वार, जौ और चावल का दबदबा बाजार में बरकरार है। सोयाबीन, अमेरिका का नंबर वन कृषि उत्पाद है, जिसकी पैदावार 119.05 मिलियन मीट्रिक टन बताते हैं। लेकिन हाल ही में ब्राजील ने लगभग 123.6 मिलियन टन उत्पादन के साथ अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। उसकी वजह ट्रम्प की नीतियां रही हैं। अमेरिका, 53.85 मिलियन मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन करता है, जो दुनिया भर में चौथे स्थान पर है। संयुक्त राज्य अमेरिका एक ग्लोबल एग्रीकल्चरल पावरहाउस है, जो बड़ी मात्रा में फसलें और पशुधन पैदा करने के लिए एडवांस्ड मशीनीकृत खेती का इस्तेमाल करता है। अमेरिकी कृषि क्षेत्र की खासियत ज्यादा पैदावार है, जिसमें कई तरह के फल और सब्जियां भी शामिल हैं। मक्का और सोयाबीन अमेरिका की दो सबसे बड़ी फसलें, और खेती की रीढ़ हैं। विगत डेढ़ वर्षों से इन दो फसलों को उगाने वाले किसानों को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मौसम में बदलाव, बढ़ते ऑपरेटिंग खर्च और कम अंतरराष्ट्रीय मांग, जो काफी हद तक टैरिफ के रूप में सरकारी नीति के कारण हैं, ने एक मुश्किल हालात पैदा कर दिए हैं। ट्रम्प प्रशासन संख्या नहीं बताता, मगर स्वीकार करता है, कि अमेरिकी किसानों में आत्महत्या की दर राष्ट्रीय स्तर से 3.5 गुना बढ़ी है। वर्ष 2023–24 में, चीन ने 13.2 अरब डॉलर के 24.9 मिलियन मीट्रिक टन सोयाबीन अमेरिका से खरीदा था, जिनका इस्तेमाल मुख्य रूप से अपने 427 मिलियन सूअरों के झुंड को खिलाने के लिए किया गया। अमेरिकी किसानों का दूसरा सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय सोयाबीन बाजार, मेक्सिको है। 2017 में ट्रम्प ने पहली बार टैरिफ लगाए थे, तब से फसल किसान सोयाबीन और मक्का निर्यात के लिए महत्वपूर्ण चीनी बाजार में गिरावट से जूझ रहे हैं। एग्रो इकोनॉमिक्स की समझ रखने वाले ब्रायन हार्बेज बोलते हैं, 'पिछले महीने रिपोर्ट आई कि सोयाबीन का निर्यात 20 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। यह अमेरिकी किसानों के लिए बहुत बुरा है। अगर हम निर्यात नहीं कर सकते, तो स्टोरेज एक बड़ी समस्या है, हमारी फसल भी खराब होती है। यह दोहरी मार है। वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, कई लोग अमेरिकी राष्ट्रवाद के नाम पर अभी भी ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं।' हालांकि, चीन ने 2034 तक अपने घरेलू सोयाबीन उत्पादन को 38 प्रतिशत बढ़ाने का वादा किया है। यह सूचना अमेरिकी सोयाबीन उत्पादकों के लिए सुखद नहीं है। इसलिए, भारत जैसे वैकल्पिक बाजार की तलाश में ट्रम्प प्रशासन लग चुका है। भारत में लगभग 13.05 मिलियन टन सोयाबीन का उत्पादन होता है, जिसमें से आधा से ज्यादा उत्पादन अकेले मध्य प्रदेश में होता है। भारत में मक्के का उत्पादन लगभग 42 मिलियन टन है जिसका 20 प्रतिशत फ्यूल–ग्रेड इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होता है।

केंद्रीय बजट 2026 को लेकर रुधौली विधानसभा मे चौपाल आयोजित किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

रुधौली/बस्ती। रुधौली विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय बजट 2026–27 को लेकर विधानसभा

चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने भाग लिया। चौपाल के दौरान वक्ताओं ने केंद्रीय बजट के प्रमुख प्रावधानों, नई योजनाओं तथा जनकल्याणकारी घोषणाओं की विस्तार से जानकारी दी। किसानों, युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों से संबंधित प्रावधानों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। उपस्थित लोगों को बताया गया कि बजट में विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य बजट की महत्वपूर्ण बातों को आम जनता तक पहुंचाना तथा जनसंवाद के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करना रहा। चौपाल में मौजूद लोगों ने बजट से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार भी रखे। अंत में आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की योजनाओं और नीतियों की जानकारी गांव–गांव तक पहुंचाई जाएगी ऐसे मे पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने केंद्रीय बजट 2026 के बारे मे चौपाल मे बैठे सभी लोगो को बिस्तृत रूप से जानकारी दी। चौपाल मे जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, ब्लाक प्रमुख राम नगर यशकांत सिंह, पुष्करआदित्य विक्रम सिंह, पिंकू सिंह, रवि प्रताप सिंह, विजय पांडेय, विजय नारायण तिवारी, राकेश उपाध्याय, राज कुमार चौधरी, नीलम गौड, के.डी. पांडेय, शैलेश चौधरी, जय प्रकाश जायसवाल, आदि लोगो उपस्थित रहे।

सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल में छात्रें को मिलेगा एक लाख रूपये का स्कालरशिप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल के प्रधानाचार्य सुभाष जोशी ने बताया कि

स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहली प्राथमिकता है। इसके साथ ही छात्रों को उच्च शिक्षा के लिये प्रोत्साहित करने हेतु लगातार 10 वर्षो तक जुड़े रहने पर 70 हजार और 12 वर्षो तक जुड़े रहने पर एक लाख रूपये का स्कालरशिप दिया जाता है। प्रधानाचार्य सुभाष जोशी ने कहा कि देखिए, शिक्षा किसी भी देश की रीढ़ होती है। अगर रीढ़ मजबूत है तो पूरा देश मजबूती से खड़ा रहता है। आज भारत की शिक्षा प्रणाली में कई खूबियाँ हैं, लेकिन इसके साथ–साथ कुछ ऐसी कमियाँ भी हैं जिन्हें नजरअंदाज करना भविष्य के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए सुधार की जरूरत न केवल है, बल्कि यह समय की मांग बन चुकी है। कहा कि छात्र किताबें याद करके परीक्षा पास कर लेते हैं लेकिन असली ज्ञान और समझ विकसित नहीं हो पाती। हमें जरूरत है ऐसी शिक्षा प्रणाली की जो व्यावहारिक ज्ञान, क्रिटिकल थिंकिंग और समस्या समाधान क्षमता को बढ़ावा दे। इस दिशा में सेठ एम.आर. जयपुरिया पूरी तरह समर्पण भाव से कार्य कर रहा है।

बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज में 12वीं की छात्रओं का विदाई समारोह संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज के परिसर में कक्षा 12वीं की छात्राओं के सम्मान में

विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहम्मद आलम एवं प्रधानाचार्या मुस्लिमा खातून ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुरुआत किया। विदाई समारोह के दौरान मुख्य अतिथि मोहम्मद आलम ने छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अपने आशीर्वचनों से विद्यालय की प्रधानाचार्या मुस्लिमा खातून ने कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और छात्राओं को आत्मविश्वास, अनुशासन एवं परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए। कार्यक्रम में छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल भावनात्मक और उत्साहपूर्ण हो गया। शिक्षकों ने छात्राओं के शैक्षिक एवं नैतिक विकास की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय को उन पर गर्व है। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से छात्राओं को स्मृति–चिन्ह भेंट किया गया। तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विदाई समारोह आपसी स्नेह, सम्मान और प्रेरणा के संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन अलका पांडेय ने किया। समारोह में मुख्य रूप से श्रीमती प्रेमलता, अंजुम परवीन, ईरम फातिमा, नजराना बतूल, आरिफा खातून, मलिक सबा अफजल सहित अध्यापक अध्यापिकाएं मौजूद रही।

मकान कब्जा कर लेने की नीयत से लगायी आग: पीड़िता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र की महुडर रेहरवा निवासिनी अर्चना यादव पत्नी

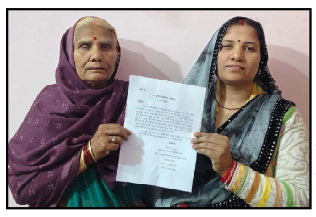

जितेन्द्र यादव ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर मकान पर कब्जा कर लेने की नीयत से आग लगा देने के मामले में दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है। एसपी को दिये पत्र में अर्चना यादव ने कहा है कि उनके पट्टीदार सूर्यभान यादव के लड़के हर्ष यादव के द्वारा उनके मकान को कब्जा करने की नीयत से 8 फरवरी को लगभग 3 बजे भोर में घर में आग लगा दिया गया जिसमें रखा हुआ शादी का सोफा, बड़ा बक्सा में भरा हुआ सामान और उसकी सास ससुर का समान जलकर राख हो गए हैं । इससमें काफी बहुमूल्य सामानों की क्षति हुई है । घटना की सूचना डायल 112 पर देने के साथ ही थाना पुरानी बस्ती में प्रार्थना पत्र दिया परन्तु अभी तक पुलिस के द्वारा अभियोग दर्ज नही किया गया। उसने मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही उन्हें न्याय दिलाया जाय।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान विकास खण्ड जरवल में हुआ तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के

तहत जरवल ब्लॉक में सामूहिक दवा सेवन अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में आशा, आंगनबाड़ी व स्वास्थ्य कर्मी घर–घर पहुंचकर लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिला रहे हैं, ताकि संक्रमण की श्रृंखला टूटे और नए मामलों को रोका जा सके। अभियान के लिए 510 स्वास्थ्य टीमें गठित की गई हैं, जो अपने सामने 2.88 लाख से अधिक लोगों को दवा खिलाना सुनिश्चित करेंगी। इसके लिए 43 सुपरवाइजर भी लगाए गए हैं। इसी क्रम में ग्राम तपेसिपाह में आशा कार्यकर्ता गुड़िया देवी को 1200 लोगों को दवा सेवन कराने की जिम्मेदारी मिली है। दो दिनों में वह 105 लोगों को दवा खिला चुकी हैं। वह पहले यह सुनिश्चित करती हैं कि कोई भी व्यक्ति खाली पेट न हो। गुड़िया बताती हैं कि जो लोग अन्य बीमारियों की दवा ले रहे हैं, उन्हें दो घंटे का अंतर रखकर दवा खिलाई जाती है। इसके लिए उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया है और बताया गया है कि यह दवा गर्भवती महिलाओं, दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों व गंभीर रोगियों को छोड़कर सभी के लिए सुरक्षित है। दिन के समय कई छात्र, मजदूर, नौकरीपेशा और दुकानदार घर पर नहीं मिलते। ऐसे में उनके परिजनों को संदेश दिया जाता है कि संबंधित व्यक्ति घर लौटकर भोजन के बाद संपर्क कर दवा अवश्य सेवन कर ले। गुड़िया देवी दवा किसी को घर ले जाने के लिए नहीं देतीं और कहती हैं कि दवा उनके सामने ही खिलाई जाएगी, ताकि सही खुराक सुनिश्चित हो सके। अभियान के दौरान स्वास्थ्य टीम ने लोगों को यह भी बताया कि दवा सेवन के बाद हल्का बुखार या चक्कर आना सामान्य प्रक्रिया है, जो शरीर में मौजूद फाइलेरिया के सूक्ष्म कृमियों के नष्ट होने का शुभ संकेत है। दरअसल असली खतरा दवा न लेना है, क्योंकि एक संक्रमित व्यक्ति पूरे गांव को जोखिम में डाल सकता है। किसी भी समस्या के लिए उनसे संपर्क किया जा सकता है इसके लिए चिकित्सीय टीम भी मौजूद है। ग्राम तपेसिपाह में पहले से तीन फाइलेरिया मरीज चिन्हित हैं। इसे देखते हुए ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ रही है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. कुंवर रितेश का कहना है कि समय पर सामूहिक दवा सेवन से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है।

कांग्रेस ने निकाली मनरेगा बचाओ संग्राम पद यात्रा

गरीब किसानों, मजदूरों का हक छीन रही है भाजपा सरकार- विश्वनाथ चौधरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गुरूवार को कांग्रेस द्वारा जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व और पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. आलोक रंजन वर्मा के संयोजन में गोटवा से 'मनरेगा बचाओ संग्राम पद यात्रा' निकाली गई। यात्रा गोटवा से चलकर गनेशपुर होते हुये विभिन्न मार्गो से गांधी कला भवन पहुंची। बापू प्रतिमा के समक्ष यात्रा का समापन हुआ। सुदामागंज, गनेशपुर और शंकरपुर चौराहा पर नुक्कड सभाओं में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के नीति, कार्यक्रम पर निशाना साधा। कहा कि यह पूंजीपतियों की सरकार है जिसमें गरीब, किसान हाशिये पर हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर नया कानून लाकर मोदी सरकार ने ''बुलडोजर चलाकर'' मनरेगा को खत्म किया। कांग्रेस इसे स्वीकार नहीं करेगी और गरीबों, कृषि मजदूरों के हक हकूक को लेकर आन्दोलन जारी रहेगा। डा. आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि हम मोदी सरकार द्वारा मनरेगा कानून को बदल देने के इस कदम का डटकर मुकाबला कर रहे हैं। जो सरकार देश के किसानों, मजदूरों और युवाओं का अपमान करे, वह सत्ता में ज्यादा दिनों तक नहीं रह सकती।'' लोग अब भाजपा का चाल, चरित्र, चेहरा समझ चुके हैं। कांग्रेस नेता डा. वाहिद अली सिद्दीकी, शौकत अली नन्हू, अलीम अख्तर, राम पूरन चौधरी आदि ने कहा कि मोदी सरकार ने बुलडोजर चलाकर मनरेगा अधिनियम को रद्द कर दिया। मनरेगा ऐतिहासिक और क्रांतिकारी अधिनियम था जो सितंबर 2005 को सर्वसम्मति से पारित हुआ था।'' कहा कि मनरेगा कानून संवैधानिक हक था, लोगों के पास रोजगार की कानूनी गारंटी थी और इस कानून से पंचायतें मजबूत हुईं। भाजपा सरकार पूंजीपतियों के दबाव में गरीबों का हक छीन रही है। इसे देश की जनता स्वीकार नहीं करेगी। मनरेगा बचाओ संग्राम पद यात्रा में मुख्य रूप से संदीप श्रीवास्तव, शब्बीर अहमद, साधु शरन आर्या,राकेश माणि त्रिपाठी, अनिल भारती, अमर बहादुर शुक्ला, आलोक त्रिपाठी, रविंद्र सिंह राजन, दूधनाथ पटेल,अवधेश सिंह,राहुल चौधरी, लाल जीत पहलवान, राजेश भारती, जमील कादरी, दिलीप श्रीवास्तव, चंद्रशेखर वर्मा, मोहम्मद अशरफ अली, आनंद निषाद, उमेश उपाध्याय, राज कपूर,अजय सिंह, बृजभान कनौजिया,शुभम गांधी, बसंत चौधरी, प्रिंस राणा, बलराम चौधरी,विजय कुमार, जितेंद्र चौधरी, प्रमोद,रमेश चंद्र वर्मा, संजय चौधरी, दिनेश शर्मा,वीरेंद्र चौधरी, परशुराम,सुरेश, राम नयन यादव,रामबिहोर यादव,राम शंकर यादव, गजोधर यादव, अर्जुन चौधरी,डॉ सुरेंद्र सूरत चौधरी,बाबूराम वर्मा, लाल बहादुर चौधरी, रंजीत प्रमोद चौधरी, धर्मेंद्र वर्मा के साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान, मजदूर शामिल रहे।

थाना इकौना क्षेत्र की चोरी की घटनाओं का खुलासा, तीन शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। थाना इकौना क्षेत्र में हुई चोरी की कई घटनाओं का पुलिस ने सफल अनावरण किया है। एसओजी/सर्विलांस टीम एवं थाना इकौना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक वांछित शातिर अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में घायल होकर गिरफ्तार हुआ, जबकि दो अन्य अभियुक्तों को घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम एवं क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। 11/12 फरवरी 2026 की मध्य रात्रि मोहनीपुर चौराहे से कैलाशपुर मार्ग हाइवे मोड़ पर चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्धों ने पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में रामप्रकाश उर्फ प्रकाश पासी घायल हुआ, जबकि राजू सिंह एवं रामचंदर पासी को गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्तों के कब्जे से तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस, चोरी किए गए आभूषण, ध्25,000 नकद, चोरी के उपकरण एवं मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस संबंध में थाना इकौना पर मु0अ0सं0 33/2026 धारा 109(1), 352, 351(3) बीएनएस एवं 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में अभियुक्तों ने रात्रि में गांवों में रेकी कर सुनसान मकानों को निशाना बनाने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास लंबा है।

विशेश्वरगंज ने जनपद स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता में पाया प्रथम स्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद स्तरीय पाक कला का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय अमीर माह में धूमधाम से आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि वित्त एवम लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा वीरेश कुमार वर्मा रहे। निर्णायक मंडल में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बहराइच के प्रधानाचार्य एवं गृह विज्ञान के प्रवक्ता शामिल हुए ।कार्यक्रम में सभी विकास खंडो से चयनित रसोईया ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम पुरस्कार विकासखंड विशेश्वरगंज की रसोइयों ने, द्वितीय पुरस्कार विकासखंड फखरपुर की रसोइयों ने तथा

तृतीय पुरस्कार नगर क्षेत्र की रसोइयों ने प्राप्त किया। प्रथम पुरस्कार के रूप में 3500 रुपए का चेक, द्वितीय पुरस्कार के रूप में ध्2500 का चेक तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में ध्1500 के चेक के साथ रसोइयों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इनके अतिरिक्त सभी प्रतिभागी रसोइयों को यात्रा भत्ता के रूप में ध्300 तथा सांत्वना पुरस्कार के रूप में ध्300 खातों में आरटीजीएस के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे। सभी विकासखंड के रसोइयों ने मीनू के अनुसार उत्कृष्ट पाक कला का प्रदर्शन करते हुए बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिसका निर्णय निर्णायक मंडल में शामिल राजकीय इंटर कॉलेज की प्रवक्ता नीतू राय तथा प्रधानाचार्य किरण देवी द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रम जिला समन्वयक मध्यानह भोजन योजना राकेश कुमार मिश्र की देखरेख में संपादित हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वित्त एवं लेखाधिकारी वीरेश कुमार वर्मा ने सभी रसोइयों को मीनू के अनुसार अपने विद्यालयों में स्वच्छ एवं अच्छा भोजन बनाने के साथ बच्चों के पोषण संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग से जिला समन्वयक निर्माण राकेश कुमार सिंह, जिला समन्वयक निपुण संतोष कुमार सिंह, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा ,अनुराग कुमार शर्मा जिला समन्वयक समेकित, शिक्षा लाल जी दुबे जिला समन्वयक डॅ इसरार खान ,कार्यालय सहायक देवेंद्र कुमार तिवारी , मोहम्मद कासिम ,रत्ना शुक्ला , शशिबाला सिंह , नेहा कश्यप, कंप्यूटर ऑपरेटर मध्याह्न भोजन योजना बबिता तथा जयवीर स्पेशल एजुकेटर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न ब्लॉकों से शिक्षक सुरूर अख्तर, गौरव शर्मा, सर्वेश कुमार, आरती साहू, सुनील कुमार, त्रियुगी नारायण ,अवधेश कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

जनपद में टीबी व कैंसर स्क्रीनिंग के लिए 100 विशेष कैंप आयोजित होंगे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में टीबी (क्षय रोग) एवं कैंसर की शीघ्र पहचान और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से माह फरवरी में 100 विशेष स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी के निर्देश पर तैयार कार्ययोजना के अनुसार जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 10–10 स्क्रीनिंग कैंप लगाए जाएंगे। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय कक्ष में डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें अभियान की रूपरेखा, तिथियों, टीम गठन तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता

पर विस्तृत चर्चा की गई। सीएमओ डॉ. रस्तोगी ने निर्देश दिए कि कैंपों में अधिक से अधिक लोगों की जांच सुनिश्चित की जाए, विशेषकर टीबी और कैंसर के संभावित लक्षण वाले व्यक्तियों की स्क्रीनिंग प्राथमिकता के आधार पर की जाए। उन्होंने कहा कि जिन मरीजों में टीबी या कैंसर के संदिग्ध लक्षण पाए जाएंगे, उन्हें पुष्टि जांच के लिए उच्च चिकित्सा इकाइयों को रेफर किया जाएगा तथा उनका समुचित और समयबद्ध उपचार सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य को कैंपों की जानकारी आशाओं एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से व्यापक रूप से दी जाए, ताकि अधिकाधिक लोग लाभान्वित हो सकें। बैठक में संबंधित कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम सभा की भूमि पर अवैध निर्माण का आरोप, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद के ग्राम सभा खरहरगढ़ही (पोस्ट बहेकुइयां, थाना कोतवाली देहात) में सरकारी भूमि पर कथित रूप से अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। गांव के निवासी आयुष कुमार त्रिपाठी ने प्रशासन को शिकायत देकर ग्राम सभा की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। शिकायत के अनुसार ग्राम सभा की गाटा संख्या 90, जो राजस्व अभिलेखों में नवीन परती/सरकारी भूमि के रूप में दर्ज है तथा जिस पर पूर्व में पंचायत भवन निर्मित है, उसके शेष भाग (सड़क किनारे) पर अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है। आरोप है कि अवधेश कुमार त्रिपाठी (सरकारी शिक्षक) एवं सुरेश कुमार त्रिपाठी पुत्रगण स्वर्गीय अनुरूद्ध प्रसाद त्रिपाठी द्वारा प्रभाव का उपयोग करते हुए निर्माण कराया जा रहा है। आयुष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने दिनांक 07 फरवरी 2026 को तहसील समाधान दिवस में लिखित शिकायत दी थी, किंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है और निर्माण कार्य जारी है। प्रार्थी ने जिलाधिकारी, मंडलायुक्त देवी पाटन मंडल गोंडा तथा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को भी पत्र भेजकर प्रकरण की निष्पक्ष जांच, अवैध निर्माण पर तत्काल रोक तथा दोषियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67 के अंतर्गत कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं हुआ तो ग्राम सभा की सार्वजनिक भूमि पर स्थायी कब्जा हो सकता है। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है।

अधिवक्ता की नृशंश हत्या पर अधिवक्ताओं ने सीएम को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को दिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के अधिवक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है इसका कारण है रामपुर जिले में अधिवक्ता साथी फारूख अहमद खां की गोली मारकर नृशंश हत्या

कर दी गयी है। जिसको लेकर जनपद सहित प्रदेश भर के अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है।रामपुर जिला बार एसोसिएशन के पत्र के समर्थन में मुख्यालय के सभी अधिवक्तागण न्यायिक कार्य से विरत रहकर विरोध प्रदर्शन किया तथा बार एसोसिएशन गोन्डा का प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी गोन्डा को देकर रोष व्यक्त किया है।अधिवक्ताओं द्वारा मांग कि है कि प्रदेश में तत्काल प्रभावी अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम (एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट) निर्मित कर लागू किये जाने,रामपुर जिले में अधिवक्ता की नृशंश हत्या के दोषियों के विरूद्ध कठोर, दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए उनके परिवार की सुरक्षा हेतु उचित कार्यवाही की जाये तथा मृतक अधिवक्ता के परिवार को मु० 50,00,000/– रूपये (पचास लाख रु०) की आर्थिक सहायता दी जाये एवं परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाये।प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व बार एसोसिएशन गोन्डा अध्यक्ष राम बुझारथ द्विवेदी तथा सिविल बार एसोसिएशन गोन्डा के अध्यक्ष विजय प्रकाश त्रिपाठी ने किया तथा संचालन बार एसोसिएशन गोन्डा के महामंत्री संजय कुमार सिंह तथा सिविल बार एसोसिएशन गोन्डा के महामंत्री गौरी शंकर चतुर्वेदी द्वारा संयुक्त रूप से की गयी। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष दीनानाथ त्रिपाठी, कृष्ण कुमार पाण्डेय,छैल बिहारी पाण्डेय, सन्त बक्श मिश्र, सुशील कुमार मिश्र, राज कुमार चतुर्वेदी, सुशील कुमार तिवारी, मृत्युन्जय शुक्ला, अरूण कुमार शुक्ल द्वितीय, विजय बहादुर पाण्डेय, गौरव मिश्र, संतोष कुमार पाण्डेय, सरल कुमार मिश्र, शिवम सिंह रैकवार सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

तुलसीपुर में रोडवेज बस अड्डे के निर्माण का रास्ता साफ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। प्रदेश सरकार के बजट में देवीपाटन धाम तुलसीपुर में प्रस्तावित रोडवेज बस अड्डे को मंजूरी मिल गई है। लंबे समय से लंबित यह परियोजना अब कैबिनेट की स्वीकृति के साथ ही आगे बढ़ेगी। जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बस अड्डे का निर्माण जल्द शुरू होने की संभावना है।

बस अड्डा का निर्माण पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस की करीब 25 बीघे जमीन पर कराया जाना है। इसके लिए जमीन परिवहन निगम को हस्तांतरित की जाएगी। अब कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद जमीन हस्तांतरण व बजट आवंटन की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू होने का रास्ता साफ हो जाएगा। बस अड्डा बनने से देवीपाटन धाम आने वाले श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। तुलसीपुर शहर में पहले से रेलवे ओवरब्रिज, फोरलेन सड़क व देवीपाटन धाम कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं पर काम हो रहा है। इनके साथ बस अड्डे का निर्माण होने से शहर के यातायात और बुनियादी ढांचे में बड़ा सुधार होगा।

सामाजिक विषय केवल पाठ्यक्रम तक ही सीमित ना रहे :-आशीष कुमार सिंह, प्राचार्य, डायट पयागपुर

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) पयागपुर

बहराइच में सामाजिक विषय पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य आशीष कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में प्राचार्य श्री सिंह ने कहा कि सामाजिक विषय केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे बल्कि उसका प्रभाव विद्यालयों में बच्चों के व्यवहार, आपसी समन्वय, संवेदनशीलता एवं सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में स्पष्ट दिखाई देना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं गतिविधियों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करें, जिससे विद्यार्थियों में सहयोग, सहअस्तित्व, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता विकसित हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण अवधि में शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। यदि कोई प्रशिक्षणार्थी बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता रामपाल वर्मा ने प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संदर्भदाता के रूप में शिवकुमार चौधरी, सुरभि पांडे, विनोद सिंह एवं पंकज चतुर्वेदी द्वारा विभिन्न सत्रों में सामाजिक विषय की बारीकियों, गतिविधि आधारित शिक्षण, कक्षा प्रबंधन तथा विद्यालय में प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान डायट प्रवक्ता रमेश कुमार, गोविंद किशोर, इश्तियाक अहमद एवं आशीष कुमार सहित वरिष्ठ सहायक सलीम अहमद, वीरेंद्र कुमार सिंह, मोहम्मद रहमान एवं तालिब हुसैन आदि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को सामाजिक विषय के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराते हुए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

विद्यालय से विमुख बच्चों को मुख्य धारा से जोड़े शिक्षक- आशीष कुमार सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार

सिंह तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी वीरेश कुमार वर्मा ने राजकीय इंटर कॉलेज बहराइच के प्रशिक्षण हाल में 12 फरवरी से 14 फ़रवरी तक, तीन दिवसीय आउट ऑफ स्कूल बच्चों के मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मां सरस्वती के दीप प्रज्जवलित करने के साथ किया गया स प्रशिक्षण प्रारंभ करने के पूर्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने कहा कि सभी शिक्षक जो बच्चे विद्यालय से आउट ऑफ हैं उनको शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़े तथा उनके सर्वांगीण विकास करें कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे अपने संबोधन में वित्त एवं लेखा अधिकारी वीरेश कुमार वर्मा ने कहा कि ऐसे बच्चे जो विद्यालय से विमुख हैं उनके लिए शासन द्वारा प्रति बच्चा 838 रूपये खाते में भेजा जाएगा, जिससे उनको कॉपी, पेंसिल बैग आदि मिल सके और वह पढ़ाई कर सकेस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता आशुतोष कुमार सिंह, निर्माण समन्वयक राकेश कुमार सिंह अतुल सिंह ने किया स राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर व जनपदीय प्रशिक्षक राजेश कुमार मिश्र ने बताया कि प्रत्येक विकास खण्ड से पांच– पांच शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया अब यही प्रशिक्षित शिक्षक अपने ब्लॉक के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे तथा वही शिक्षक जो बच्चे विद्यालय से आउट ऑफ हैं उनको शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने का काम करेंगे तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे स प्रशिक्षण प्रदान करने वालों में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर व प्रशिक्षक राजेश कुमार मिश्र, डायट प्रवक्ता रमेश कुमार, गोविंद किशोर,रामपाल वर्मा आदि ट्रेनर ने प्रशिक्षण दिया, तथा इस प्रशिक्षण में अतुल त्रिपाठी, हरीराम यादव, राजकुमार पांडेय, रमेश द्विवेदी, मनोज सविता, मृत्युंजय शुक्ला, क्षमा चौहान, विनोद त्रिपाठी, रमेश पाठक, श्रवण मिश्रा,राम प्रहलाद आदि शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर, मुख्यालय रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में लाख कोशिश के बावजूद तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है,आए दिन हो रहे सड़क हादसों में लोग गंभीर रूप

से घायल हो रहे हैं।ऐसा ही एक हादसा बुधवार देर शाम कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत भंभुआ (तालेपुरवा) के पास देखने को मिला, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भंभुआ (बढ़इन पुरवा) निवासी विनीत सिंह (25) पुत्र खेलावन सिंह बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान भंभुआ के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोग पहुंचे और घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्नलगंज ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल गोण्डा रेफर कर दिया।हादसे के बाद घायल युवक को अस्पताल पहुंचाने और उपचार दिलाने में समाजसेवी शिवम सिंह (संभावित प्रत्याशी, जिला पंचायत सदस्य) व उनके सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वे लगातार घायल की मदद में लगे रहे। उनके इस मानवीय प्रयास की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की है। घटना के बाद क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों को लेकर एक बार फिर लोगों में रोष देखा गया।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क पर वाहनों की गति पर नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है।

एडीएम न्यायिक ने डुमरियागंज तहसील का निरीक्षण किया, लंबित वादों के त्वरित निस्तारण पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील डुमरियागंज में गुरुवार को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डा. ज्ञान प्रकाश ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर रेलवे द्वारा किए जा रहे भूमि अधिग्रहण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। एडीएम न्यायिक ने एसडीएम न्यायालय, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालय, रजिस्टर कानूनगो कार्यालय सहित विभिन्न पटलों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तीन एवं पांच वर्ष पुराने लंबित वादों की फाइलों की बारीकी से जांच करते हुए उनकी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अभिलेखों के समुचित रख–रखाव, लंबित मामलों के समयबद्ध निस्तारण तथा तहसील परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एसडीएम राजेश कुमार, एसडीएम न्यायिक राहुल सिंह, तहसीलदार रविकुमार यादव, नायब तहसीलदार विष्णु प्रसाद सिंह, उदयभान, रघुवर प्रसाद, राजेश मिश्रा, श्रद्धानंद सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

एसपीईएल कार्यक्रम के तहत एएसपी ने छात्र/छात्राओं को पुलिस कार्यप्रणाली की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय द्वारा पुलिस कार्यलय में एसपीईएल कार्यक्रम से जुड़े छात्र/छात्राओं हेतु उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।प्रशिक्षण के दौरान छात्र/छात्राओं को

भारतीय पुलिस सेवा एवं प्रांतीय पुलिस सेवा में चयन की प्रक्रिया,भर्ती प्रणाली,प्रशिक्षण ढांचा, पदानुक्रम, तथा पुलिस अधिकारियों के दायित्वों एवं कर्तव्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी।इसके अतिरिक्त उन्हें पुलिस की दैनिक कार्यप्रणाली, कानून–व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, विवेचना, जनसुनवाई, आपदा अथवा आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की भूमिका आदि विषयों से अवगत कराया गया।सत्र के दौरान प्रतिभागियों को पुलिस नियंत्रण कक्ष, यूपी–112 आपातकालीन सेवा, नार्कोटिक्स सेल, विशेष जांच प्रकोष्ठ, स्थानीय अभिसूचना इकाई, मीडिया सेल सहित अन्य शाखाओं के कार्यों एवं जिम्मेदारियों की जानकारी दी गयी,जिससे छात्र/छात्राएं पुलिसिंग के विभिन्न आयामों को नजदीक से समझ सकें। महोदय द्वारा छात्र/छात्राओं को कानून का पालन करने, समाज में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा पुलिस व जनता के बीच सकारात्मक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।उन्हें भविष्य में पुलिस सेवा सहित अन्य प्रशासनिक सेवाओं में करियर बनाने हेतु प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के अंत में छात्र/छात्राओं द्वारा विभिन्न जिज्ञासाएं व्यक्त की गयीं,जिनका अधिकारियों द्वारा संतोषजनक समाधान किया गया।प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए पुलिस विभाग के प्रति बेहतर समझ विकसित होने की बात कही।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को पुलिस कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर उन्हें जागरूक, जिम्मेदार एवं कानून के प्रति संवेदनशील नागरिक बनाना है।

गर्मी के दिनों में होने वाली बीमारियों के बारे में जागरुक करते हुए डॉक्टर विकास पांडे

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। सरकार द्वारा चलाई गई सरकारी एंबुलेंस सेवा 1962 सेवा जो

किसानों और बेसहारा पशुओं की सेवा में हमेशा तत्पर है,ए छोटे से लेकर बड़े पशुओं का निशुल्क सेवा करती है। डॉ विकास पाण्डेय जो इन दिनों बरसात में होने वाली बीमारी के बारे में लोगों को गांव–गांव जाकर के जागरूक कर रहे हैं और किसानों को जानकारी दे रहे हैं कि गर्मी के दिनों में लू लग जाने की वजह से जानवर को कम पानी पिलाने से बीमार हो जाते हैं कृ पया किसान अपने जानवर को बचाएं व गर्मी के दिनों में होने वाली बीमारी जैसे खुर पका मुंह पका गला घोंटू आदि बीमारी के बारे में हीट स्ट्रोक विधिवत जानकारी दें। किसानों की सूचना पर टीम के साथ चिकित्सक सूचना पर उपचार करने पहुंच जाते हैं, सुबह शाम अपने पशुओं को नहलाएं, अपने पशुओं को साफ सुथरा पानी पिलाए, समय–समय पर टीकाकरण करवाएंघ्ध। डॉक्टर डॉ विकास पाण्डेय ने बताया कि पशुओं की स्थिति में सुधार नहीं होने पर तुरंत 1962 पर कॉल करें। अपने पशुओं को खाने में अधिक से अधिक हरे चारे व संतुलित आहार खिलाएं। एंबुलेंस सेवा संचालित करने वाले संस्था ई, एम ,आर,आई ग्रीन हेल्थ सर्विस के जिला प्रभारी सुधीर त्रिपाठी ने बताया कि जिले में 8 एंबुलेंस सेवाएं जनता के लिए निशुल्क संचालित की जा रही है। टीम के साथ डॉ विकास पांडे सहायक पंकज पाठक व चालक पंकज शर्मा हमेशा किसानों की सेवा में मौजूद रहते हैं।

नगर पंचायत बढ़नी बाजार में ईओ की कार्यप्रणाली पर गम्भीर सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी बाजार में अधिशासी अधिकारी की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद गहरा गया है। गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने वित्तीय अनियमितता, प्रशासनिक शिथिलता और विकास कार्यों में बाधा जैसे गम्भीर आरोप लगाते हुए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग किया है। नपं अध्यक्ष बढ़नी ने आरोप लगाया कि 'हरजी ट्रेडर्स' फर्म द्वारा कन्हा गौशाला से सम्बन्धित एक टेण्डर में लगभग 11.92 लाख रुपये की कथित फर्जी एफडीआर प्रस्तुत की गई। उनका कहना है कि बैंक स्तर से जानकारी मिलने के बावजूद अब तक कठोर कार्रवाई नहीं की गई। यदि यह तथ्य सही है तो यह नगर पंचायत की पारदर्शिता पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। उन्होंने सरकारी भूमि पशुचर व अन्य श्रेणी की जमीन पर अतिक्रमण की शिकायतों पर भी प्रभावी कार्रवाई न होने की बात कही। अध्यक्ष के अनुसार कई बार अवगत कराने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर ठोस कदम नहीं उठाए गये, जिससे नगर

की सार्वजनिक संपत्तियों पर कब्जे की स्थिति बनी हुई है। विकास कार्यों में देरी, ठेकेदारों की लापरवाही तथा निर्देशों के अनुपालन में कथित उदासीनता को लेकर भी अध्यक्ष ने सवाल उठायें। उनका कहना है कि बार–बार निर्देश दिये जाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई, जिससे विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। प्रेसवार्ता में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में देरी और सुविधा शुल्क की शिकायतों का भी जिक्र किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि यदि आम नागरिकों को मूलभूत सेवाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है तो यह प्रशासनिक जवाबदेही का विषय है। इस सम्बन्ध में अधिशासी अधिकारी अजय कुमार ने आरोपों को निराधार बताया और कहा कि नगर पंचायत के सभी कार्य नियमों के अनुरूप किए जा रहे हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि उच्चाधिकारियों द्वारा इन आरोपों की जांच कब और किस स्तर पर की जाती है।

धन्यवाद प्रस्ताव पर बोले विधायक भूपेश चौबे, कहा– सोनभद्र में पर्यटन और स्वरोजगार की अपार संभावनाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश विधानसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान गुरुवार को सोनभद्र सदर के विधायक भूपेश चौबे ने डॉ. नीलकंठ तिवारी द्वारा समर्थित धन्यवाद प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य बनना उनके लिए गौरव का विषय है। इसके लिए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि वर्तमान समय अनेक ऐतिहासिक अवसरों से जुड़ा स्वर्णिम कालखंड है। माता अहिल्याबाई होल्कर के 350 वर्ष, गुरु तेग बहादुर जी के 350 वर्ष, भगवान बिरसा मुंडा के 150 वर्ष, राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 100 वर्ष पूरे होने का यह समय हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कालखंड में उत्तर प्रदेश को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रूप में परिश्रमी और दूरदर्शी नेतृत्व प्राप्त है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वयं झाड़ू उठाई थी, तब कुछ लोगों ने उसका उपहास किया था, लेकिन आज वही अभियान देश में जनआंदोलन का रूप ले चुका है। विकसित भारत के संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इस दिशा में अग्रसर है। पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा अधूरे छोड़े गए कार्यों को योगी सरकार ने गति दी है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश 'चरैवेति–चरैवेति' के मंत्र के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने 18वीं विधानसभा का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ जनता के विश्वास पर खरा उतरना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है। प्रदेश में जल संरक्षण, कृषि उत्पादन, पशुपालन और 'हर घर नल' योजना जैसे क्षेत्रों में तेजी से कार्य हो रहा है। अपने जनपद सोनभद्र को आकांक्षी जिला बताते हुए उन्होंने कहा कि विशेष जिला और विशेष ब्लॉक के रूप में स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पर्यटन की दृष्टि से नगवां, मचेंद्रनाथ, अवाड़ी (मिनी गोवा), धधरौल, हंडिया डैम और समुद्र तट जैसे प्राकृतिक स्थलों में व्यापक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेशभर में विधायक खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया, जिसमें उनके विधानसभा क्षेत्र में 12 से 15 हजार युवाओं ने भाग लिया। इससे युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिला। विधायक ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है और जनता की अपेक्षाएं भी उसी से होती हैं जो कार्य करता है। जहां–जहां पेयजल, सड़क या अन्य योजनाओं में तकनीकी कमियां हैं, उनकी जांच कराकर सुधार कराया जाना चाहिए। विशेष रूप से पंचायतों में पेयजल व्यवस्था, सड़कों की गुणवत्ता की जांच और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए संकेतक लगाए जाने की मांग उन्होंने उठाई। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही कथित जमींदारी जैसी प्रवृत्तियों पर चिंता व्यक्त करते हुए उसे समाप्त कर न्यायपूर्ण व्यवस्था लागू करने की मांग की। साथ ही प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक जांच कर समस्याओं के समाधान का आग्रह किया। अंत में विधायक भूपेश चौबे ने धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन दोहराते हुए योगी सरकार को प्रदेश के विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया तथा अपने क्षेत्र के शेष विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की। उन्होंने अपने संबोधन का समापन 'वंदे मातरम्' के उद्घोष के साथ किया।

नशबंदी शिविर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करमा में गुरुवार को महिला नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ मुन्ना प्रसाद ने बताया कि 15 महिलाओं का जांचोपरांत नसबंदी किया गया। उक्त अवसर पर डॉ मुन्ना प्रसाद, डा, दीक्षा गुप्ता, फार्मासिस्ट त्रिभुवन सिंह , उत्तम,रघुनाथ,, आदि लोग मौजूद रहे।

कार व टैम्पो भिड़ंत तीन घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के करमा बाजार में गुरुवार को दोपहर बाद दो बजे एल्टो कार और टैम्पो की भिड़ंत में टैम्पो सवार तीन लोग घायल हो गए। आसपास से जुटे लोगों ने निजी अस्पताल में इलाज कराया। कार मिर्जापुर की तरफ से आ रही थी करमा बाजार पहुंची अचानक मुड़ने का प्रयास कर रहा था पीछे से आर ही टैम्पो से भिड़ गया। जिसमें मिर्जापुर के राजगढ़ थाना के पुरैनिया निवासी कमलेश 35 वर्ष पुत्र श्रीनाथ, बगही निवासी संगीता 33वर्ष पत्नी आशु, टैम्पो चालक सुबास 30वर्ष पुत्र अमरनाथ निवासी बारीमहेवा थाना करमा घायल हो गए। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से टैंपो चालक को सी, एच, सी, करमा पहुंचाया गया इलाज के बाद छोड़ दिया गया।

जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की बैठक की गयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण हेतु जिन विभागों को जो भी लक्ष्य दिये गये हैं, उसके अनुरूप वृक्षारोपण हेतु स्थल चिन्हित कर लें। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य का शत प्रतिशत रोपण सुनिश्चित कराया जाये। जनपद में प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण व मा० एन०जी०टी० द्वारा पारित आदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया

जाये। उन्होंने कहा कि जिन विभागों को फलदार पौधों की आवश्यकता हो, वह वन विभाग को पौधों की संख्या उपलब्ध करा दें। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित विभाग अपने–अपने विभाग परिसर में खाली स्थानों पर पौध रोपण कराया जाये, जिससे निर्धारित पौधरोपण लक्ष्य को पूरा किया जा सकें। उन्होंने कहा कि पौधरोपण करने के साथ ही उसका संरक्षण व सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाये। सड़कों पर ओवर लोड कुड़ायुक्त वाहन जो कचरा सड़कों पर गिरा देते हैं, ऐसे वाहनों के विरूद्ध भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहाकि सड़क पर पड़े गढ्ढो का मरम्मत कराया जाये, सड़क के किनारे साफ–सफाई कराया जाये। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रत्येक महीने में ग्राम पंचायतों में ग्रीन चौपाल का आयोजन शासन के निर्देश के क्रम में किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि सोन नदी के किनारे बसे गांवों में आर्गेनिक खेती करने हेतु जागरूक किया जाये, जिससे कम पानी की लागत में अधिक उत्पादन हो सकें। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी श्री हेमन्त कुमार सिंह, डीएफओ राबर्ट्सगंज आशुतोष जायसवाल डीएफओ रेनुकूट कमल कुमार, एस0डी0ओ0 शत्रुधन त्रिपाठी, , एस0डी0ओ0 ओबरा मयंक, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण सहित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर छात्रों ने बिखेरा जल्वा

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा विकास खण्ड स्थित रजा मेमोरियल पब्लिक स्कूल, पगिया में वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास के साथ गुरुवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्षा राधिका पटेल के प्रतिनिधि अरुण कुमार पटेल द्वारा मां सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलन कर किया गया। विद्यालय के प्रबंधक शरीफ अहमद खान एवं प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियो का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती बंदना कर स्वागत गीत के माध्यम से मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के बच्चो व बच्चियों द्वारा एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत पेश कर लोगों को तालियां बजाने के लिए विवश कर दिया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि के रूप में जय प्रकाश पाण्डेय सपा नेता उपस्थित रहे। लोगों को सम्बोधित करते हुए श्री पांडेय ने कहा कि विद्यालय में

आयोजित इस तरह के कार्यक्रम यह दर्शाता है कि विद्यालय में पठन पाठन अच्छे से किया जा रहा है।वार्षिकोत्सव से विद्यार्थियों को एक एनर्जी मिलती है।तथा उनके प्रतिभाओं में निखार आता है।इस दौरान नेसार अहमद सीएमडी त्प्ब् वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड ,अंकुर गिरी हउ त्प्ब् वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड रमेश सिंह पटेल प्रदेश सचिव अपना दल एस, जय प्रकाश पाण्डेय सपा नेता गोपाल सिंह वैध जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा भाजपा,मौलाना इबादत हुसैन हाजी सलीम खान, मुस्तकीम खान, सरताज अहमद सुभाष यादव अभिभावक, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। देशभक्ति समूहगान, लोकनृत्य, सामाजिक संदेश पर आधारित नाटक तथा कविताओं ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और मंच संचालन की सराहना सभी ने की।मुख्य अतिथि ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की आधारशिला है। विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों को जीवन में अपनाने चाहिए।विद्यालय परिवार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय है। इस अवसर पर शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में विद्यालय के संस्थापक वकील अहमद खान ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य चंद्रशेखर मौर्य ने किया।

साइबर फ्रॉड के पैसे पीड़ितों के खातों में कराए गए वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दीपा पुत्री सुरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम मुर्धवा परसवार, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र तथा दीप प्रकाश तिवारी पुत्र सुरेन्द्र तिवारी निवासी कोटा बस्ती, ज्वालामुखी मंदिर के पास, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड कर धनराशि आहरित कर ली गई थी। उक्त प्रकरण के संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन/पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम थाना के नेतृत्व में साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित किया गया तथा विधिक प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। परिणामस्वरूप कुल ध्13,700/– (तेरह हजार सात सौ रुपये) की धनराशि पीड़ितों के खातों में सफलतापूर्वक वापस कराई गई।

जिलाधिकारी ने विकास भवन, पंचायत रिसोर्स सेन्टर लोढ़ी का किया आकस्मिक निरीक्षण, दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने गुरुवार को विकास भवन परिसर, विकास भवन के विभिन्न अनुभागों व पंचायत रिसोर्स सेन्टर लोढ़ी का आकस्मिक निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान

उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी, डी0सी0 एन0आर0एल0एम0 विभाग में साफ–सफाई व्यवस्था का जायजा लिये और सम्बन्धित अधिकारी को निर्देश दिये कि पत्रावलियों के रख–रखाव के बेहतर प्रबन्ध किये जाये। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में रखे गये सामग्री को देखा और सम्बन्धित से जानकारी प्राप्त की, उन्होंने कार्यालय में रखे गये सामग्री को सम्बन्धित विभाग को सुपूर्त करने के निर्देश सम्बन्धित को दियें। उन्होंने कहा कि कार्यालय को साफ–सफाई बनाये रखने के साथ ही प्रयोग में न आने वाली किसी भी प्रकार की सामग्री को सुव्यवस्थित ढंग से रखा जाये, जिससे कार्यालय कार्य में समस्या न होने पायें। इसी प्रकार से उन्होंने विकास भवन के पास बने पंचायत रिसोर्स सेन्टर का निरीक्षण किये। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किये कि पंचायत रिसोर्स सेन्टर में बेहतर प्रबन्ध किये जाये, आस–पास के झाड़ियों के कटान का कार्य कराने के साथ ही परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने पंचायत रिसोर्स सेन्टर में लगे टाईल्स जो बीच–बीच में टूट गये हैं, को मरम्मत कराने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दियें। उन्होंने कहा कि सेन्टर में समय–समय पर विभागों द्वारा प्रशिक्षण व जनकल्याणकारी जैसे आयोजन व प्रदर्शनी लगाया जाता है, इसलिए भवन में बेहतर प्रबन्ध करने के साथ ही साफ–सफाई का विशेष ध्यान दिया जाये। निरीक्षण के दौरान जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, जिला दिव्यागजन सशक्तिकरण अधिकारी विद्या देवी, डी0सी0 एन0आर0एल0एम0 सरिता सिंह सहित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

पोस्ट ऑफिस में कर सकते हैं 9:00 से 5:00 तक अधर में परिवर्तन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आज जहां आधार कार्ड में परिवर्तन या कोई संशोधन के लिए लोग परेशान है तो वही सरकार भी उनकी सहायता के लिए आगे हाथ बढ़ा रही है आपको बता दें कि जिला मुख्यालय पर स्थित प्रधान पोस्ट डाकघर में इस समय आधार संशोधन एवं नए आधार बनाने का कार्य बड़े जोरों से किया जा रहा है प्रधान डाकघर के स्टेशन मास्टर ने बताया कि सुबह 9रू00 से शाम 5रू00 बजे तक कोई भी आकर अपने आधार कार्ड में कोई संशोधन करवा सकता है तथा नए आधार के लिए आवेदन कर सकता है उनकी सुविधा के लिए हर हमारे कर्मचारी हमेशा खड़े हैं आपको बता दें कि आधार संशोधन या नया आधार बनवाना अब टेढ़ी खीर से साबित होता जा रहा है लेकिन प्रधान पोस्ट ऑफिस डाकघर से के इस पहल से लोगों को राहत मिलेगी और वह आसानी से आधार कार्ड में नया आवेदन या संशोधन कर सकेंगे।

आम आदमी पार्टी की 'नफरत मिटाओ, संविधान बचाओ' यात्रा 16 को

बस्ती। गुरूवार को आम आदमी पार्टी जिला कार्यकारिणी की बैठक जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में सांगठनिक मजबूती के साथ ही आगामी 16 फरवरी को सिद्धार्थनगर जनपद के डुमरियागंज के बेवा चौराहे से कन्या इण्टर तक राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में निकाली जाने वाली 'नफरत मिटाओ, संविधान बचाओ' 9 किलोमीटर की यात्रा की रूप रेखा पर विचार किया गया। जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि 'नफरत मिटाओ, संविधान बचाओ' यात्रा में बस्ती से बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। तैयारी बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी कुलदीप जायसवाल, प्रान्तीय सचिव पतिराम आजाद, जिला महासचिव चन्द्रभान कन्नौजिया आदि ने कहा कि आम आदमी पार्टी जनहित के सवालों को लेकर निरन्तर संघर्षरत है। 'नफरत मिटाओ, संविधान बचाओ' यात्रा का उद्देश्य केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार को आईना दिखाना है। बैठक में मुख्य रूप से मिथिलेश भारती, शेषपाल चौधरी, राम सजन सूर्यबंशी, राम अदालत, वीरेन्द्र यादव आदि शामिल रहे।

सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल में छात्रों को मिलेगा एक लाख रूपये का स्कालरशिप

दैनिक बुद्ध का संदेश

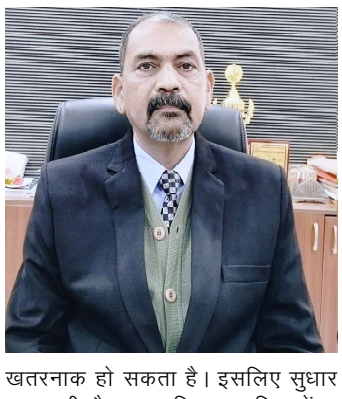

बस्ती। सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल के प्रधानाचार्य सुभाष जोशी ने बताया कि स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहली प्राथमिकता है। इसके साथ ही छात्रों को उच्च शिक्षा के लिये प्रोत्साहित करने हेतु लगातार 10 वर्षो तक जुड़े रहने पर 70 हजार और 12 वर्षो तक जुड़े रहने पर एक लाख रूपये का स्कालरशिप दिया जाता है। प्रधानाचार्य सुभाष जोशी ने कहा कि देखिए, शिक्षा किसी भी देश की रीढ़ होती है। अगर रीढ़ मजबूत है तो पूरा देश मजबूती से खड़ा रहता है। आज भारत की शिक्षा प्रणाली में कई खूबियाँ हैं, लेकिन इसके साथ–साथ कुछ ऐसी कमियाँ भी हैं जिन्हें नजरअंदाज करना भविष्य के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए सुधार की जरूरत न केवल है, बल्कि यह समय की मांग बन चुकी है। कहा कि छात्र किताबें याद करके परीक्षा पास कर लेते हैं लेकिन असली ज्ञान और समझ विकसित नहीं हो पाती। हमें जरूरत है ऐसी शिक्षा प्रणाली की जो व्यावहारिक ज्ञान, क्रिटिकल थिंकिंग और समस्या समाधान क्षमता को बढ़ावा दे। इस दिशा में सेठ एम.आर. जयपुरिया पूरी तरह समर्पण भाव से कार्य कर रहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

गंदे मैले पायदान को बिना धोए साफ करने का आसान तरीका, इस ट्रिक से निकल जाएगी पूरी गंदगी

घर को साफ सुथरा बनाने के लिए और बाहर की गंदगी को घर में न आने देने के लिए पायदान का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन अगर पायदान ही गंदा हो जाए तो उससे पूरे घर में गंदगी फैलने लगती है। जूता चप्पल में फंसी गंदगी डोरमैट्स पर जमा होने लगती है। जिससे धूल और गंदगी घर के अंदर आने लगती है। बाथरूम के बाहर लोग पानी को रोकने और गीलेपन से बचने के लिए पायदान का इस्तेमाल करते हैं लेकिन पायदान गंदा होने पर बाथरूम तो गंदा होता ही है साथ ही घर भी गंदा हो जाता है। ऐसे में पायदान को साफ करना बहुत जरूरी है। अच्छी धुलाई करके ही पायदान को साफ किया जा सकता है। लेकिन हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे गंदे पायदान को बिना धोए भी आप क्लीन कर सकते हैं। जानिए बिना वॉश किए पायदान को साफ करने का ये आसान तरीका।

पायदान साफ करने की ट्रिक

वैक्यूम क्लीनर का उपयोग– घर की सफाई में लोग आजकल वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करने लगे हैं। जैसे आप कालीन और मैट्स को क्लीन करते हैं वैसे ही मोटे हैवी पायदान को भी वैक्यूम क्लीनर से क्लीन किया जा सकता है। वैक्यूम क्लीनर से पायदान में लगी धूल–मिट्टी और गंदगी निकल जाएगी। आपको काफी दिनों तक पायदान को धोने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ब्रश का उपयोग करें– गंदे पायदान को कपड़ा धोने वाले ब्रश से आसानी से क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए पहले पायदान को झाड़कर उसमें जमा धूल मिट्टी को साफ कर लें। अब कपड़ा धोने वाले किसी पुराने ब्रश से पायदान को घिसते हुए साफ करें। ध्यान रखें गीला नहीं बल्कि सूखा ही रगड़ना है। इससे पायदान में फंसी गंदगी, बाल और मिट्टी निकल जाएगी। इससे बिना धोए ही पायदान साफ हो जाएगा।

ड्राई क्लीनिंग से साफ करें– पायदान को घर पर आसानी से ड्राई क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए गुनगुना पानी लें और उसमें थोड़ी फिटकरी डाल कर घोल सें। इसमें 2 ढक्कन शैंपू डालें और मिक्स कर लें। इसे किसी बोतल में डालें। अब एक साफ सूती कपड़ा लें और उस पर स्प्रे डालें। इस कपड़े से पायदान को साफ करें। इससे पायदान पर जमा गंदगी साफ हो जाएगी। इसके बाद पायदान को थोड़ी देर धूप में सुखा दें। इससे गंदगी निकल जाएगी।

द केरल स्टोरी 2 का मोशन पोस्टर जारी, रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी साल 2023 में रिलीज हुई थी जिसे लोगों द्वारा खूब सराहा गया था। निर्माता इस कहानी को खत्म न करते हुए दूसरी किस्त के साथ ला रहे हैं जिसे

द केरल स्टोरी 2रू गोज बियॉन्ड शीर्षक दिया गया है। फिल्म का मोशन पोस्टर जारी कर दिया गया है। साथ ही इसकी रिलीज तारीख से पर्दा उठाया गया है। दूसरी किस्त का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है। निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने द केरल स्टोरी 2 का मोशन पोस्टर जारी किया है जो भावनात्मक और गहन कहानी लाने का वादा करता है। टीजर में महिलाओं के पीड़ा से भरे चेहरों को दर्शाया गया है, जो डर, आंसू और बढ़ते गुस्से की तरफ ध्यान खींचते हैं। इस बार नए मुख्य कलाकारों को शामिल किया है जिनमें उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा शामिल हैं। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सर्दियों के लिए बेहतरीन है ऊनी बेरेट, इन 5 तरीकों से बनाएं स्टाइल का हिस्सा

सर्दियों में ठंड से बचने और खास दिखने के लिए लोग ऊनी बेरेट पहनना पसंद करते हैं। यह न केवल सिर को गर्म रखती है, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना सकती है। ऊनी बेरेट में कई डिजाइन और रंग उपलब्ध रहते हैं, जो आपके व्यक्तित्व को उभारने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ बेहतरीन ऊनी बेरेट स्टाइल्स पर चर्चा करेंगे, जो कपड़ों की अलमारी में शामिल करने लायक हैं।

क्लासिक सुनहरी बेरेटः क्लासिक सुनहरी बेरेट हर किसी के पास होनी ही चाहिए। यह किसी भी पोशाक के साथ आसानी से मेल खा सकती है, चाहे वह सूट हो या जींस। सुनहरी रंग की बेरेट आपको एक शाही अंदाज दे सकती है और इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ पहन सकती हैं। इसे आप सफेद या काले रंग के सिंपल कपड़ों पर स्टाइल कर सकती हैं। इससे साधारण कपड़े भी खास लगने लगेंगे और आपका लुक निखर जाएगा।

लाल रंग की बेरेटः लाल रंग की बेरेट सर्दियों में एक अलग ही सुंदरता दे सकती है। इस रंग वाली बेरेट हर रंगत वाली महिला पर अच्छी लगती है। लाल रंग की बेरेट को आप सफेद या लाल रंग की पोशाक के साथ आसानी से स्टाइल कर सकती हैं। यह खास तौर से ड्रेस या स्कर्ट टॉप के साथ कमाल की लगेगी। इसे महिलाएं क्रिसमस और वैलेंटाइन डे जैसे खास मौकों पर स्टाइल करना बहुत पसंद करती हैं।

नीली रंग की बेरेट

नीली रंग की बेरेट भी एक सुंदर विकल्प हो सकता है, जो आपको एक अलग ही अंदाज देगा। इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ मिलाकर पहन सकती हैं। हालांकि, यह सफेद, काले या ग्रे रंग की पोशाक के साथ सबसे ज्यादा अच्छी लगती है। आप जींस टॉप और स्वेटर वेस्ट के साथ इसे स्टाइल कर सकती हैं या फिर ड्रेस और लेगिंग के साथ भी इसका मेल बैठा सकती हैं।

क्रीम रंग की बेरेट

क्रीम रंग की बेरेट एक बहुत ही सुंदर लुक देती है, जो सर्दियों में बहुत ही खास लगता है। हल्का होने की वजह से इसका रंग ज्यादातर कपड़ों के साथ अच्छा लग सकता है। खास तौर से क्रीम, भूरी या फिर गुलाबी रंग की पोशाक के साथ इसका मेल वाकई जबरदस्त लगता है। आप नारंगी और पीच रंग के कपड़ों के साथ भी क्रीम रंग की बेरेट को स्टाइल कर सकती हैं।

काले रंग की बेरेट

काले रंग की बेरेट हमेशा से ही फैशन में रही है और यह एक सदाबहार रंग है। इसे आप किसी भी प्रकार की पोशाक के साथ पहन सकती हैं, चाहे वह हल्के रंग की हो या फिर गहरे रंगों वाली हो। काले रंग की बेरेट हर मौके पर पहनी जा सकती है और इसमें आपको एक क्लासी लुक मिल सकता है। इसका मेल खास तौर से लाल, मेहरून, ग्रे, नीले, गुलाबी या फिर सफेद कपड़ों के साथ जंचता है।

सेब का स्वाद इन भारतीय पकवानों को बना देगा और लजीज, बार–बार खाने का करेगा दिल

सेब एक ऐसा फल है, जो स्वाद में बेहतरीन होता है और सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आमतौर पर लोग सेब का जूस पीते हैं या फिर इसे कच्चा खाते हैं। हालांकि, इसके जरिए आप कई अनोखे और लजीज व्यंजन भी बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको 5 स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जो सेब से बनती हैं। ये व्यंजन आपके घर में सभी को पसंद आएंगे और झटपट बन जाएंगे।

सेब का रायता

रायता भारतीय खान–पान की एक बेहतरीन साइड डिश है। आमतौर पर यह दही और सब्जियों से बनाया जाता है, लेकिन आप सेब से भी इसे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए दही में कद्दूकस किया हुआ सेब मिला दें। इसके बाद इसमें भुना हुआ जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा–सा काला नमक डाल दें। इसे अच्छे से मिलाकर ठंडा करें और खाने से पहले इसमें थोड़ा–सा हरा धनिया डालें। यह रायता आपके खाने को एक नया और चटपटा स्वाद देगा।

सेब की चटनी

आपने आम, पुदीने या नारियल की चटनियां तो कई बार बनाई होंगी। हालांकि, इस बार सेब की खट्टी–मीठी चटनी बनाकर परिवार वालों को खिलाएं। इसके लिए सेब को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसमें अदरक–लहसुन, हरी मिर्च, नमक और थोड़ा–सा नींबू का रस मिलाकर पीस लें। इसे आप चावल, पराठे, रोटी या फिर पकौड़े आदि जैसे किसी भी व्यंजन के साथ खा सकते हैं। इसका खट्टा–मीठा स्वाद आपको जरूर पसंद आएगा।

सेब का पुलाव

पुलाव तो सभी के घरों में बनता है, लेकिन अगर इसमें सेब का जायका जुड़ जाए तो मजा दोगुना हो जाता है। इसके लिए बासमती चावल को धोकर भिगो दें। इसी दौरान कढ़ाई में घी गर्म करके उसमें जीरा, तेजपत्ता और लौंग डालें। अब प्याज और अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें, फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ सेब मिलाएं और मसाले डालें। इसके बाद चावल और पानी डालकर पकाएं। यह पुलाव न केवल स्वादिष्ट होगा, बल्कि सेहतमंद भी होगा।

सेब की सब्जीः रोजाना एक ही तरह की सब्जियां खा–खा कर ऊब गए हैं तो सेब की सब्जी बना लें। इसके लिए प्याज और टमाटर का पेस्ट बनाकर तेल में भूनें। इसके बाद इसमें अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर पका लें। अब मसाले डालकर पानी मिलाएं और उबाल आ जाने दें। इसके बाद इसमें कटे हुए सेब डालकर पका लें। थोड़ी देर पकाने के बाद इसमें नारियल का दूध मिलाएं। इसे आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

सेब का हलवा

हलवा आम तौर पर सूजी या गाजर का बनता है, लेकिन सेब का हलवा भी लजीज होता है। इसके लिए कद्दूकस किए हुए सेब को घी में अच्छी तरह भून लें। इसके बाद इसमें दूध डालकर कुछ देर पकाएं। जब दूध आधा हो जाए तो उसमें चीनी मिलाएं और अच्छे से भूनें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालें और गैस बंद करें। इसे गाढ़ा होने तक ढकें और मेवे डालकर परोसें।